लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

दैनिक

अमन लेखनी

वेलकम टू द जंगल ने रिलीज...

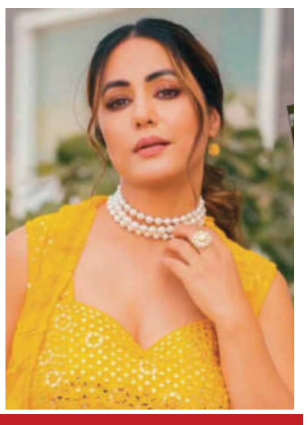

हम सभी करते हैं गलतियां

वर्ष : 12 | अंक : 166 | लखनऊ, 10 जून, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

10 सर्कुलर रोड आवास से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया जाएगा

मीसा भारती का ऐलान, राबड़ी देवी खाली करेंगी आवास, लालू यादव और तेजस्वी पटना पहुंचे

बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपना सरकारी आवास खाली कर देंगी। उनकी बेटी एवं आरजेडी सांसद मीसा भारती ने यह ऐलान किया है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, बेटे तेजस्वी यादव और बेटी मीसा भारती पटना पहुंच गए हैं।

अमन लेखनी समाचार/पटना,

बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास को खाली कर देंगी। लालू-राबड़ी की बड़ी बेटी एवं आरजेडी की सांसद मीसा भारती ने यह ऐलान किया। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सिंगापुर से भारत लौटने के बाद मंगलवार को पटना पहुंच गए। इस दौरान उनके बेटे तेजस्वी यादव एवं बड़ी बेटी मीसा भारती भी साथ रहीं। लालू एक सप्ताह के लिए स्वास्थ्य जांच के लिए सिंगापुर गए थे। वहां से एक दिन पहले ही दिल्ली लौटे थे। दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में आरजेडी सांसद मीसा भारती ने कहा कि पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित उनकी मां एवं पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास को जल्द खाली कर दिया जाएगा।

मीसा भारती ने पत्रकारों से खुलकर बात की

इसके बाद पटना एयरपोर्ट पर मंगलवार को लालू यादव के साथ मौजूद मीसा भारती ने पत्रकारों से खुलकर बात की। लालू परिवार के सदस्यों की सुरक्षा कम किए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बिहार सरकार को अपराधियों को सुरक्षा देने में कमी हो रही है, इसलिए दोनों पूर्व सीएम (लालू यादव एवं राबड़ी देवी) की सुरक्षा (जेड प्लस सिक्योरिटी) वापस कर दी गई है।

15 दिन की डेडलाइन से पहले ही खाली होगा राबड़ी आवास

वहीं, सूत्रों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि राबड़ी आवास को खाली करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया जाएगा। गौरतलब है कि यह आवास लालू की पत्नी राबड़ी देवी के नाम पर आवंटित था। नवंबर 2025 में तत्कालीन नीतीश सरकार ने बिहार विधान परिषद की नेता प्रतिपक्ष के लिए 39 हार्डिंग रोड बंगला कर्णांकित कर दिया था।

रामकथा के मंच से अखिलेश-शिवपाल पर तंज

चाचा-मामा हमेशा गलत रास्ते पर ही ले जाते हैं

अमन लेखनी समाचार/लखनऊ,

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंगलवार को एक नौ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाग लिया। इसके मंच से उन्होंने समाज को नकारात्मक ताकतों के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया, वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश की सियासत के सबसे चर्चित 'चाचा-भतीजा' यानी शिवपाल यादव और अखिलेश यादव की जोड़ी पर करारा हमला बोला है। उन्होंने महाभारत और रामायण के पात्रों का उदाहरण देते हुए विपक्ष को जमकर आड़े हाथों लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण और महाभारत काल की कड़ियों को आज की राजनीति से जोड़ते हुए कहा, 'ये चाचा और मामा जब किसी व्यवस्था में पड़ते हैं ना, तो हमेशा उसको कुसंग (गलत रास्ते) की तरफ ही लेके जाते हैं, वे कभी सन्मार्ग की तरफ नहीं ले जाते हैं।' उन्होंने कहा कि आप सबने इतिहास में देखा होगा कि जब शकुनि दुर्योधन के पाले पड़ा, तो उसने पूरे परिवार का विनाश करते हुए महाभारत करवा दिया। ठीक इसी तरह मारीच भी रावण के संग आया था।

भारत की धरती कोई धर्मशाला नहीं

सीएम योगी ने राष्ट्रीय अस्मिता और भारत की सांस्कृतिक निष्ठा पर बात करते हुए बेहद कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने दो टूक कहा, 'जो लोग भारत के प्रति आस्था और निष्ठा नहीं रखते हैं, और यहां के सनातन संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उनके लिए भारत की यह पावन धरती कोई धर्मशाला नहीं हो सकती है।' मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से संदेश दिया कि जिनके अंदर भी इस देश का असली डीएनए मौजूद है, उनके आदर्श केवल और केवल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ही हो सकते हैं।

'लव जिहाद' के खिलाफ साल 2020 का सख्त कानून

नारी सम्मान की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने आधुनिक समाज में पैर पसार रही।'लव जिहाद' की कुप्रथा पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नारी गरिमा से खिलवाड़ करने वाली लव जिहाद की घिनौनी घटनाओं को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने साल 2020 में ही राज्य के भीतर एक बेहद कड़ा और सख्त कानून बना दिया था। हालांकि उन्होंने समाज को आगाह करते हुए कहा कि सिर्फ कानून ही काफी नहीं है, बल्कि ऐसी कुप्रथाओं को जड़ से उखाड़ने के लिए आज भी समाज में एक व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की परम आवश्यकता है।

'लैंड जिहाद' करने वाले आज के खर-दूषण और सुबाहु

भाषण के आखिरी हिस्से में सीएम ने अवैध कब्जों यानी 'लैंड जिहाद' पर कड़ा रुख अख्तियार किया। उन्होंने भू-माफियाओं व अवैध कब्जाधारियों की तुलना त्रेतायुग के राक्षसों से करते हुए कहा, "लैंड जिहाद से जुड़े हुए लोगों को समझना पड़ेगा कि आखिर उस कालखंड में खर-दूषण, मारीच और सुबाहु क्या कर रहे थे? वे सब भी उस दौर में लैंड जिहाद के ही अभियान से जुड़े थे।" योगी ने गरजते हुए कहा कि सरकारी या किसी की भी खाली जमीन देखी नहीं कि वहां जबरन अपना तंबू गाड़ दिया।

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम

3 तलाक व एसिड पीड़िताओं के आंसू पोछेगी योगी सरकार, घर व इलाज की जिम्मेदारी भी उठाएगी

यूपी में तीन तलाक पीड़ित महिलाओं और एसिड अटैक पीड़िताओं को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। सरकार उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना व प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर उपलब्ध करवाएगी...

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/लखनऊ,

योगी सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी सशक्तीकरण को लेकर लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने तीन तलाक तथा एसिड अटैक जैसी गंभीर सामाजिक त्रासदियों से प्रभावित महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

योगी सरकार इन पीड़ित महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही निराश्रित महिलाओं को भी इन सभी योजनाओं का लाभ देने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

खास बातें

- महिला कल्याण विभाग ने तेज की कार्रवाई
- मिलेगा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को जरूरत पड़ती है कई सर्जरी की

उल्लेखनीय है कि एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को लंबे समय तक इलाज, कई सर्जरी और पुनर्वास की आवश्यकता होती है. वहीं ट्रिपल तलाक से प्रभावित अनेक महिलाएं आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा का सामना करती हैं. ऐसे में आवास और स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराकर योगी सरकार उनके जीवन को अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयासरत है।

कई विभागों से समन्वय स्थापित कर एकत्रित किया जा रहा डाटा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग ने विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग तीन तलाक एवं एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के साथ निराश्रित महिलाओं का विस्तृत डाटा एकत्रित किया जा रहा है, ताकि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा सके। शासन स्तर पर इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और शासनादेश (जीओ) तैयार करने की प्रक्रिया भी चल रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा पीड़ित महिलाओं का सत्यापित विवरण एकत्रित किया जा रहा है। इसके आधार पर लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिए थे निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि जिन महिलाओं को तीन तलाक या एसिड अटैक जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है और जिनके पास स्थायी आवास नहीं है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही इन महिलाओं और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का भी लाभ दिया जाए। मालूम हो कि एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को लंबे समय तक इलाज, सर्जरी और पुनर्वास की आवश्यकता होती है। वहीं, तीन तलाक से प्रभावित कई महिलाएं आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा का सामना करती हैं। ऐसे में आवास और स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों उपलब्ध कराकर योगी सरकार उनके जीवन को अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

खबर संक्षेप

नाम के फेर में फंसे नथवाणी, होल्ड पर

रांची। नामांकन पत्रों की जांच में प्रत्याशी परिमल नथवाणी का नामांकन होल्ड पर रख दिया गया है। उनके दस्तावेजों में नाम को लेकर तकनीकी विवाद के बाद निर्वाची पदाधिकारी ने कड़ी आपत्ति जताई है। जमा किए दस्तावेजों में नाम की विसंगति सामने आई है। कुछ दस्तावेजों में उनका नाम परिमल नथवाणी दर्ज है। जबकि कुछ में नथवाणी परिमल लिखा हुआ है।

उत्तर भारत की ओर से आने वाली ट्रेनों के टिकट के लिए मचा हाहाकार

मुंबईः रेल मंत्रालय जहां एक तरफ बुलेट ट्रेन शुरू करने की कवायद में जुटा हुआ है। यहां तक कि राजधानी के बाद वन्देभारत, तेजस जैसी ट्रेनों का परिचालन शुरू करवाया है वहीं दूसरी तरफ उत्तर भारत की ओर से आने वाली ट्रेनों का जून माह का टिकट मिलना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। यही नहीं उत्तर प्रदेश से मुंबई आने वाले यात्रियों को रेल आरक्षण केंद्रों पर टिकट पाने के लिए ४८ से ७२ घंटे कतार लगानी पड़ रही है। उसके बाद भी रेल मंत्रालय की ओर से यात्रियों की इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार गर्मी की छुट्टी खत्म हो गई है। मुंबई में अगले हफ्ते स्कूल शुरू हो जाएंगे। जिसके कारण गर्मी की छुट्टी में गांव गए स्कूली छात्रों शिक्षकों और अभिभावकों को मुंबई वापसी का टिकट नहीं मिल रहा है।

लक्षद्वीप में शराब बिक्री को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। करीब 47 साल तक शराबबंदी लागू रहने के बाद केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में अब नियंत्रित और लाइसेंस आधारित शराब बिक्री की इजाजत दी जाएगी। केंद्र ने 1979 से लागू लक्षद्वीप निषेध विनियमन को समाप्त कर दिया है और नया लक्षद्वीप आबकारी विनियमन-2026 लागू किया है। अधिसूचना में कहा गया है कि कानून की तारीख जल्द जारी होगी।

मोदी कैबिनेट में 12 मंत्रियों के फेरबदल की चर्चा

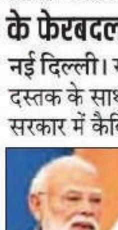

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एनडीए सरकार में कैबिनेट फेरबदल की अटकलें तेज हैं। इस बार कई केंद्रीय मंत्रियों के विभाग बदले जा सकते हैं।अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किन मंत्रालयों में बड़े बदलाव होंगे, लेकिन खबर है फेरबदल की सूची में 12 मंत्रियों के नाम हो सकते हैं। सरकार अपनी टीम को और मजबूत बनाने की तैयारी कर रही है।

तेलंगाना के सीएम रेड्डी का दावा

दिल्ली, मुंबई ,बेंगलुरु में दिक्कतें हैदराबाद बनेगा 'ग्लोबल सिटी'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि हैदराबाद को एक बेहतर और सुव्यवस्थित शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने शहर के विकास को लेकर सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की नई इमारत की नींव रखने के बाद रेड्डी ने कहा कि देश के बड़े शहर अलग-अलग समस्याओं से जूझ रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण, मुंबई में बाढ़ और बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता में ट्रैफिक की समस्या है। हैदराबाद के बढ़ते आकार को देखते हुए शहर को तीन हिस्सों में बांटा गया है- ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन , साइबराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन और मलकाजगिरी म्युनिसिपल कॉरपोरेशन। यह कदम भविष्य की आबादी और शहर के विस्तार को ध्यान में रखकर उठाया गया है। साइबराबाद क्षेत्र को एक बड़ा टेक हब बनाया जा सकता है।

दिल्ली अग्निकांड में नया खुलासा

टी ब्रेक, चालू छोड़ा ऑयल फ्रायर सूचना में देरी से गईं कई 'जानें'

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लोरिश स्टे होटल में 3 जून को हुए भीषण अग्निकांड की जांच में कई गंभीर लापरवाही सामने आई हैं। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि एक छोटी सी चाय की चुस्की, एक लावारिस छोड़ा गया तेल फ्रायर और आग लगने के बाद भी किसी को सूचित न करने वाले रसोइए की निष्क्रियता, इस भयावह त्रासदी के पीछे की कड़वी सच्चाई है।

आग की शुरुआत होटल के किचन में तब हुई जब रसोइया केशव नेगी चाय बना रहा था। उसने तेल से भरे फ्रायर को चालू छोड़ा और चाय पीते समय उसे भूल गया। तेल का तापमान ऑटो-इग्निशन बिंदु तक पहुंचा, उसने आग पकड़ ली, जिससे छत में आग लग गई और पूरे होटल में फैल गई। आग लगने के कारणों को और स्पष्ट करने के लिए, दिल्ली पुलिस आईआईटी दिल्ली की मदद लेने की तैयारी कर रही है।

देश में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने की पहल

उपराष्ट्रपति ने कहा नदी जोड़ो परियोजनाओं में धन नहीं, लोगों की सोच सबसे बड़ी चुनौती

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि देश में जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदियों को जोड़ने की परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं में धन की कमी सबसे बड़ी बाधा नहीं है, बल्कि लोगों की सोच और राजनीतिक कारण सबसे बड़ी चुनौती हैं।उपराष्ट्रपति भवन में जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राधाकृष्णन ने यह बात कही।

मुख्य बातें

- *राष्ट्रीय हित में पानी के बेहतर प्रबंधन के लिए दूरदर्शी और सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर।*
- *'जल संचय जन भागीदारी' को सराहा। अभियान के दूसरे चरण में 1.55 करोड़ से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई या दर्ज की गई हैं, जो लक्ष्य से अधिक हैं।*
- *केन-बेतवा लिंक, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक और गोदावरी-कावेरी लिंक जैसी प्रमुख नदी जोड़ो परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।*

जल संकट कम होगा

उपराष्ट्रपति ने कहा कि नदियों को जोड़ने से जल संकट कम होगा, सूखे से निपटने में मदद मिलेगी, सिंचाई क्षेत्र बढ़ेगा और देश के विभिन्न हिस्सों में संतुलित विकास संभव होगा। उपराष्ट्रपति ने केन-बेतवा जैसी अहम परियोजनाओं पर वृत्तचित्र और स्थायी रिकॉर्ड तैयार करने का सुझाव दिया।

मानसून के पहुंचने की अनुकूल परिस्थितियां बनीं

मौसम विभाग ने देश को दी खुशखबर

बिहार व छग की दहलीज पर पहुंचा मानसून, 5 दिन होगी झमाझम वर्षा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मौसम पूर्वानुमान में कहा है कि बंगाल की खाड़ी की शाखा वाला मॉनसून बिहार की दहलीज तक पहुंच गया है।दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे पूर्वोत्तर में पहुंचने के बाद अब बिहार की तरफ बढ़ते हुए पूरे सिक्किम और हिमालयी पश्चिम बंगाल को ढंक चुका है। उसका अगला पड़ाव पूर्वी बिहार और छग होगा। बिहार-झारखंड और बंगाल में मानसून के पहुंचने की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं और 1-2 दिन में यह इन राज्यों में दस्तक दे सकता है।

कोच्चि में बारिश से बचते लोग

इन राज्यों में होगी व्यापक बारिश

मानसून की रफ्तार और सक्रियता को देखते हुए आईएमडी ने कहा है कि 9 से 15 जून तक पूर्वोत्तर और दक्षिण के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 9 से 15 जून के दौरान व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इन राज्यों के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में भी पूरे सप्ताह झमाझम बारिश के आसार जताए गए हैं। गंगीय पश्चिम बंगाल में 10-12 जून, ओडिशा में 11-12 जून, बिहार में 11 जून और झारखंड में 12-13 जून को व्यापक बारिश हो सकती है।

आगे बढ़ने की पूरी संभावना

आईएमडी ने कहा है कि इसकी उत्तरी सीमा 9 जून को हरनई, सोलापुर, कालाबुरगी, नंदीयाल, चेन्नई और सिलीगुड़ी जैसे क्षेत्रों से होकर गुजर रही है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले 4-5 दिन के दौरान मानसून के महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के कुछ आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट का फैसला

दरगाह पर वक्फ बोर्ड की मनमर्जी नहीं चलेगी, दावा खारिज किया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

देश में जहां-तहां, नए-पुराने दरगाहों को लेकर विवाद कोई पुराना नहीं हैं। ऐसी जगहों पर वक्फ बोर्ड अक्सर दावा करता आया है। लेकिन मद्रास हाईकोर्ट के हाल में सुनाए एक फैसले से वक्फ बोर्ड को बड़ा झटका लगा है।

हाईकोर्ट ने ऐसी संपत्तियों से जुड़े विवादों पर अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भूमि पर दरगाह, कब्र या धार्मिक स्थल का होना मात्र उसे स्वतः वक्फ संपत्ति नहीं बना देता। मामला तमिलनाडु राज्य से जुड़ा है। यहां के

ट्रिप्लिकेन के कामराज रोड पर स्थित एक दरगाह मामले में अपीलकर्ता ने दावा किया कि यह जमीन वैसे तो यह जमीन लोक निर्माण विभाग की थी और उसे कभी भी विधिवत वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया गया है। वक्फ बोर्ड ने इसे अपनी संपत्ति मानते हुए उन्हें मुतवल्ली न मानते हुए, एक अलग व्यक्ति को नियुक्त किया है।

पत्नी की हत्या के 24 घंटे बाद आरोपी पति की भी मौत, कई सवालों के जवाब तलाश रही पुलिस

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र के आजादनगर में पत्नी की निर्मम हत्या के बाद जहरीला पदार्थ खाने वाले आरोपी पति जितेंद्र प्रताप सिंह की मंगलवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इस दोहरे घटनाक्रम से क्षेत्र में सनसनी बनी हुई है। वहीं पुलिस अब हत्या के पीछे की वजह और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन जांच में जुटी है।

सोमवार दोपहर जितेंद्र प्रताप सिंह ने अपनी 45 वर्षीय पत्नी मोनिका सिंह पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर उनकी हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद वह बाजार गया और वहां से जहरीला पदार्थ खाकर घर लौटा। हालत बिगड़ने पर परिजनों और पुलिस की मदद से उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार शाम उसकी भी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम में मिले पांच गहरे घाव

मोनिका सिंह के शव का मंगलवार को डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार उनके शरीर पर धारदार हथियार से किए गए पांच वार के निशान मिले हैं, जिनमें गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें शामिल हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए विसरा सुरक्षित रखने के साथ स्लाइड भी तैयार की गई है।

पुलिस निगरानी में हुआ अंतिम संस्कार

मंगलवार दोपहर बाद गुलाला घाट पर मोनिका सिंह का अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान एहतियातन पुलिस बल भी तैनात रहा। अंतिम संस्कार में उनके बेटे, ससुर चंद्र भूषण सिंह तथा मायके पक्ष के लोग मौजूद रहे। वहीं आरोपी जितेंद्र के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

खून से सने बांके को लेकर संशय

घटना के बाद हत्या में प्रयुक्त हथियार को लेकर भी अलग-अलग दावे सामने आ रहे हैं। मृतका की बेटी अंजली का कहना है कि घर के अंदर टांड़ से खून से सना बांका मिला था, जिसे हत्या के बाद आरोपी ने छिपा दिया था। हालांकि पुलिस ने अब तक किसी बांके की बरामदगी की पुष्टि नहीं की है।

परिवार के एक सदस्य की भूमिका भी जांच के दायरे में

जांच के दौरान पुलिस को कुछ ऐसे तथ्य मिले हैं जिनसे परिवार के एक अन्य सदस्य की मौजूदगी और गतिविधियां सवालों के घेरे में आ गई हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने घटना के समय बाजार में होने की बात कही है, लेकिन सीसीटीवी फुटेज में वह घर के आसपास दिखाई दे रहा है। पुलिस बुधवार को उससे विस्तृत पूछताछ करेगी।

कई बिंदुओं पर चल रही जांच

माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि मामले की जांच कई बिंदुओं पर की जा रही है। आरोपी जितेंद्र की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी। साथ ही घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पति-पत्नी की मौत के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इस खौफनाक वारदात की असली वजह क्या थी। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और पारिवारिक संबंधों की कड़ियों को जोड़कर इस रहस्य से पर्दा उठाने का प्रयास कर रही है।

डीसीपी दक्षिणी ने अशोक लीलैंड पुलिस चौकी का फीता काटकर किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। डीसीपी (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद ने मंगलवार शाम सरोजनी नगर में स्कूटर इंडिया चौराहे के पास अशोक लीलैंड पुलिस चौकी का नारियल फोड़ने के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अशोक लीलैंड के सहयोग से यहां पर पुलिस चौकी की व्यवस्था की गई है। पुलिस चौकी स्थापित होने से यहां यातायात व्यवस्था के साथ अशोक लीलैंड कंपनी की सुरक्षा और आसपास कॉलोनी व दुकानों की सुरक्षा बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने कहा कि जब पब्लिक और पुलिस मिलकर काम करती है तो हमारी कार्य करने की क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि आशा है यहां पुलिस को पब्लिक का सपोर्ट मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों को लगातार निर्देशित किया जाता रहता है कि वह आम जनता से अच्छा संपर्क बनाए रखें। साथ ही आम जनता से उनका आचरण अच्छा हो। इस दौरान उन्होंने साइबर क्राइम के बारे में लोगों को जानकारी देते हुए ऐसे मामलों में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की। साथ ही यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए दुकानदारों से सड़क पर अतिक्रमण न करने को कहा। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वह अपनी दुकानों के बाहर कैमरे अवश्य लगाएं, जिससे आपराधिक गतिविधियां काफी हद तक रोकी जा सकती हैं। वहीं एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने कहा कि यहां मार्केट क्षेत्र में जगह-जगह कानपुर रोड के डिवाइडर पर अवैध कट होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती थीं। लेकिन पुलिस और एनएचएआई के सहयोग से कई जगह यातायात व्यवस्था और सड़क दुर्घटनाओं में रोक लगाने के लिए फालतू कट को बंद कर दिया गया। जिससे काफी हद तक जाम की समस्या से छुटकारा मिलने के साथ सड़क दुर्घटनाएं रुकी हैं। उन्होंने कहा कि सरोजनी नगर एसडीम अंकित शुक्ला के सहयोग से एनएचएआई द्वारा दरोगा खेड़ा और शांति नगर के पास जल्द ही फुट ओवर ब्रिज बनकर तैयार होगा। दोनों जगह फुट ओवर ब्रिज प्रस्तावित है। इससे आम जनता को काफी राहत मिल सकेगी। इस मौके पर अशोक लीलैंड के प्लांट हेड शक्ति सिंह यादव, पूर्व ब्लाक प्रधान संघ अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह बबलू, उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, एसीपी गोसाईगंज ऋषभ यादव, सरोजनी नगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति, कृष्णा नगर इंस्पेक्टर प्रद्युम्न कुमार सिंह, उप निरीक्षक वीर बहादुर दुबे और उप निरीक्षक अजय कुमार सहित तमाम व्यापारी, स्थानीय लोग और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बहुजन निर्बल वर्ग समिति की जमीनों की जांच ने पकड़ी गति

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बहुजन निर्बल वर्ग सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड की जमीनों और विकास शुल्क से जुड़े मामले में जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश पर विवेचना कर रहे उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से वर्ष 2016 से 2024 तक का विस्तृत रिकॉर्ड तलब किया है। जांच एजेंसी ने विकास शुल्क जमा होने, नक्शों की स्वीकृति, अवैध निर्माण और जिम्मेदार अधिकारियों से जुड़ी जानकारियां मांगी हैं। मामला थाना गाजीपुर में दर्ज मुकदमा संख्या 295/2025 से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने 17 सितंबर 2025 को इस प्रकरण की जांच सतर्कता अधिष्ठान को सौंपते हुए प्रगति आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विजिलेंस टीम मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि समिति ने अपने सदस्यों और भूखंड धारकों से विकास शुल्क वसूला था। अब विजिलेंस यह पता लगाने में जुटी है कि यह राशि वास्तव में एलडीए में जमा कराई गई या नहीं। जांच एजेंसी का मानना है कि विकास शुल्क का विवरण पूरे मामले की कड़ी जोड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है। बताया जा रहा है कि इस संबंध में पहले भी एलडीए से जानकारी मांगी गई थी, लेकिन अर्जन विभाग की ओर से उपलब्ध कराई गई सूचना से जांच एजेंसी संतुष्ट नहीं हुई।

जमानत पर छूटे धोखाधड़ी के आरोपी का खेत में मिला शव, शरीर पर चोट के निशान

अमन लेखनी समाचार

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र स्थित बाबूखेड़ा में मंगलवार को एक व्यक्ति का शव खेत में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान देशराज रावत (40) के रूप में हुई है। वह सोमवार रात करीब 9 बजे से लापता था। परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

परिजनों के मुताबिक देशराज एक सप्ताह पहले ही धोखाधड़ी के मामले में जमानत पर जेल से छूटकर घर आया था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बाबूखेड़ा के एक खेत में उसका शव पड़ा मिला। शव के पास उसकी बाइक खड़ी थी और आसपास कुछ इंजेक्शन भी पड़े मिले। मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान थे। जांघ, गर्दन और चेहरे पर चोट दिखाई दे रही थी, जबकि नाक और कान से खून भी निकला था।

मृतक के नाबालिग बेटे ने बताया कि उसके पिता सोमवार रात फोन लेने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिवार ने रातभर उनकी तलाश की। सुबह पड़ोसी राजकुमार ने खेत में शव पड़े होने की सूचना दी। बेटे का कहना है कि घर के सामने रहने वाले एक व्यक्ति से पहले विवाद हो चुका था। उसे शक है कि उसी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया।

वहीं पत्नी सीमा ने बताया कि गांव के कुछ लोगों से पुरानी दुश्मनी चल रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हीं लोगों ने देशराज की हत्या की है। पुलिस ने मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

डीसीपी दक्षिण अमित कुमार आनंद ने बताया कि प्रथम द्दष्टया मामला अप्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत हो रहा है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

बताया जा रहा है कि देशराज का नाम पीजीआई थाने में दर्ज एक जमीन धोखाधड़ी के मुकदमे में सामने आया था। वर्ष 2025 में दर्ज इस मामले में आरोप था कि ग्राम कल्ली पश्चिम, सरोजनीनगर स्थित एक प्लॉट की फर्जी तरीके से दूसरी रजिस्ट्री कराई गई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने देशराज को भी आरोपी बनाते हुए जेल भेजा था।

पुलिस भर्ती परीक्षा देकर लौट रहे पिता पुत्र की सड़क हादसे में मौत, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में पुलिस भर्ती परीक्षा देकर कानपुर से लौट रहे युवक और उसके पिता की मौत के मामले में परिजनों ने डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताते चलें कि इटौंजा थाना क्षेत्र के भगौता पुर निवासी पान की दुकान चलाने वाले कमलेश त्रिवेदी (55) सोमवार को बाइक से अपने बेटे अखिल त्रिवेदी (21) को बाइक से उत्तर प्रदेश पुलिस की परीक्षा दिलाने कानपुर गए थे। जहां से दोनों बाप बेटे शाम करीब 7 बजे बाइक से वापस लौट रहे थे। तभी बंथरा थाना क्षेत्र में कानपुर रोड स्थित आजाद गेस्ट हाउस के पास पीछे से आ रहे डंपर ने दोनों को रौंद दिया था। जिससे दोनों बाप बेटों की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतकों के परिवार के सजल त्रिवेदी ने बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके बाबा कमलेश कुमार त्रिवेदी और चाचा अखिल त्रिवेदी जब कानपुर से लखनऊ वापस आ रहे थे। तभी शाम करीब सात बजे बंथरा क्षेत्र में डम्पर (एमपी-41-जीए-0511) के चालक ने लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। फिलहाल सजल की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस डंपर के नंबर के आधार पर उसके चालक की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

शकुन्तला विवि में पीएचडी के लिए 18 जून तक हो जायेगा साक्षात्कार

अमन लेखनी समाचार

- जून के अंतिम सप्ताह तक पूरी होगी पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया

लखनऊ। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया जून के अंतिम सप्ताह तक पूर्ण कर ली जाएगी। पीएचडी प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है, अब साक्षात्कार एवं मेरिट निर्धारण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है।

प्रवेश निदेशक प्रो. अनामिका चौधरी ने बताया कि सभी विभागों को सूचित कर दिया गया है कि वे मंगलवार से अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित करें। 18 जून से पहले सभी विभागों में साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद विभागीय शोध समिति (डीआरसी) द्वारा किया गया सम्पूर्ण मूल्यांकन प्रवेश समिति को सौंप दिया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों की मेरिट सूची प्रवेश समिति की ओर से विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दी जाएगी। कुलसचिव रोहित सिंह ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित सभी सूचनाओं एवं अपडेट के लिए समय-समय पर विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट को देखते रहे। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि पीएचडी प्रवेश में अभ्यर्थियों की मेरिट यूजीसी-नेट में प्राप्त अंकों एवं साक्षात्कार के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी। कुल अंकों में 70 प्रतिशत वेटेज यूजीसी-नेट के अंकों का और 30 प्रतिशत वेटेज साक्षात्कार का होगा। इसी आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा।

इस बाबत डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि शोध और नवाचार विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। विवि में अधिक से अधिक शोध हो इसपर जोर दिया जा रहा है। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि शोध प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न कराया जाए।

युवाओं को रोजगार से जोड़ने का अभियान शुरू : कपिल

योगी सरकार के नेतृत्व में 5 से 21 जून तक चलेगा जनकल्याण पर्व

अमन लेखनी समाचार

- केंद्र और योगी सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएगा जनकल्याण पर्व, प्रदेशभर में तिथि-वार कार्यक्रम निर्धारित

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 से 21 जून तक प्रदेशभर में व्यापक जनकल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार इस अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाते हुए युवाओं, विद्यार्थियों, प्रशिक्षुओं और उद्यमियों को कौशल, रोजगार तथा स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य करेगी।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), प्रशिक्षण प्रदाता संस्थाओं तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयों के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में तिथि-वार कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इन कार्यक्रमों में रोजगार मेले, कौशल प्रदर्शनियां, संवाद कार्यक्रम, उद्यमिता संगोष्ठियां, स्वच्छता जागरूकता अभियान, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं तथा उद्योगों के साथ संवाद कार्यक्रम प्रमुख रूप से आयोजित होंगे।

06 जून को बस्ती एवं अयोध्या में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण आधारित प्रतियोगिताओं एवं संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 08 जून को अमरोहा, गोरखपुर और हापुड़ सहित विभिन्न जनपदों में कौशल एवं उद्यमिता विषयक संगोष्ठियां आयोजित हुईं। 09 जून को सहारनपुर, गौतमबुद्ध नगर, फिरोजाबाद, अलीगढ़, बरेली, आजमगढ़ तथा बहराइच में कौशल प्रदर्शनियों एवं संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

11 जून को बुलन्दशहर और मुरादाबाद में कौशल प्रशिक्षण से संबंधित प्रदर्शनियां एवं संगोष्ठियां आयोजित होंगी, जबकि 12 जून को आगरा, एटा, देवरिया, सिद्धार्थनगर और बलरामपुर सहित कई जनपदों में कौशल विकास मिशन के अंतर्गत विशेष कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इसी दिन देवीपाटन मंडल मुख्यालय पर बृहद मंडलीय रोजगार मेले का आयोजन भी प्रस्तावित है। 15 जून को शामली, मथुरा, हाथरस, बिजनौर और मऊ में शिक्षुता प्रशिक्षण, कौशल विकास तथा उद्यमिता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। 16 जून को गाजियाबाद, पीलीभीत और महाराजगंज में कौशल प्रदर्शनियों एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

नशा मुक्ति केंद्रों और पुनर्वास सेवाओं का लगातार हो रहा विस्तार

लखनऊ। मद्यनिषेध विभाग के जरिए नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने और युवाओं को नशे की गिरफ्त में आने से बचाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जागरूकता कार्यक्रमों के साथ-साथ हेल्पलाइन, परामर्श और पुनर्वास सेवाओं का भी लगातार विस्तार किया जा रहा है।

प्रदेश में नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के समन्वय से अभियान संचालित किया जा रहा है। स्कूलों, कॉलेजों और ग्राम पंचायतों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत किया जा रहा है। कई स्थानों पर लोगों को नशा न करने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान के तहत योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। 247 हेल्पलाइन नंबर 14416 और अन्य परामर्श सेवाओं के माध्यम से नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों और उनके परिवारों को मानसिक एवं भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, हेल्पलाइन और परामर्श व्यवस्था के जरिए

- हेल्पलाइन नंबर के जरिए 37 हजार से ज्यादा लोगों तक पहुंचायी गयी मदद

प्रदेश में अब तक 37 हजार से अधिक लोगों तक सहायता पहुंचाई जा चुकी है। इससे जरूरतमंद लोगों को समय पर मार्गदर्शन और विशेषज्ञों की सलाह मिल रही है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2025- 26 में 4 लाख से अधिक मोबाइल नंबरों पर एसएमएस तथा आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल पर 232 स्पॉट्स प्रसारित किए गए हैं। यूपी में वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सोनभद्र और प्रयागराज के माघ मेला-2026 में वीडियो वैन का संचालन, 829 सांस्कृतिक कार्यक्रम, 1800 वालपेंटिंग, 1767 गोष्ठियां और नशा छोड़ने/ उपचार के लिए 3026 प्रेरित किया है चूंकि नशे के खिलाफ जनभागीदारी आवश्यक है इसलिए राज्य सरकार का उद्देश्य केवल नशा छोड़वाना नहीं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा देकर प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। आर.एल. राजवंशी, राज्य मद्यनिषेध अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में नशामुक्त भारत अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों की ईमानदार छवि ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत : सतीश महाना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ/चंडीगढ़। जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल कानून बनाना नहीं है, बल्कि जनता के बीच विधायिका के प्रति विश्वास स्थापित करना भी है। विधायकों की ईमानदार और जनोन्मुखी छवि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का आधार होती है तथा जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ही लोकतंत्र की वास्तविक जीवनरेखा है।

यह विचार उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने चंडीगढ़ में आयोजित तीन दिवसीय कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) जोन के तीन दिवसीय सम्मेलन में आज व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त और प्रभावी बन सकता है, जब जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें तथा उनके विश्वास को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलन विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों और संसदीय प्रतिनिधियों को अपने अनुभव एवं विचार साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने तथा विधायी कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में सहायता मिलती है।

अपने संबोधन में महाना ने लोकतंत्र के समक्ष उपस्थित समकालीन चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि बदलते समय में लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा, पारदर्शिता तथा जनता का विश्वास बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सम्मेलन के दौरान सतीश महाना ने एक महत्वपूर्ण सत्र की अध्यक्षता भी की। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष तथा विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के अध्यक्षों ने उनकी कार्यशैली और नेतृत्व की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विधानसभा की छवि राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त तथा सकारात्मक हुई है।

सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विधायिका और अधिक सशक्त हुई है तथा प्रदेश ने विकास के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार और विधायिका के बीच बेहतर समन्वय के कारण उत्तर प्रदेश आज सुशासन, विकास और प्रभावी लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा है।

इस सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा के उपसभापति डॉ. हरिवंश, हरियाणा के संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां तथा जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर सहित विभिन्न राज्यों के विधानसभा सदस्य उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में विभिन्न राज्य विधानमंडलों के सचिवों ने भी भाग लिया।

भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष ने कई जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को किया सम्बोधित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों ने देश के सामने संकट पैदा किया है। महंगाई, लगातार बढ़ती जा रही है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकार हर मोर्चे पर फेल है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने बिजली महंगी कर दी है। स्मार्ट मीटर लगाकर जनता से लूट की। डीजल और अन्य ईंधन की कीमते बढ़ती जा रही है। यूरिया और अन्य खादों के लिए संकट की स्थिति है। खाद को लेकर भाजपा सरकार की कोई तैयारी नहीं है। किसान परेशान है। नौजवान नौकरी रोजगार के लिए भटक रहे है। भाजपा ने हर वर्ग को धोखा दिया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था, बिजली व्यवस्था सब चौपट है।

पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में मंगलवार को विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं को सम्बोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव करीब है। सभी ने एकजुट होकर जैसे लोकसभा चुनाव में सपा को जिताया है वैसे ही विधानसभा चुनाव में जिताना है। उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी है। भाजपा के हटने से ही शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और बिजली व्यवस्था में सुधार होगा। उत्तर प्रदेश में विकास और निर्माण के कार्य नये सिरे से शुरू होंगे। लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत वोट है। भाजपा को हटाने के लिए वोट का बुलडोजर चलाकर उसे सत्ता से बाहर करना है। भाजपा पीडीए से डरी हुई है। पीडीए के निर्दोषों के खिलाफ साजिश कर रही है। पीडीए भाजपा के षडयंत्रों को समझ चुका है। 2027 में भाजपा के अन्यायी शासन को हमेशा के लिए अंत कर देगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा नफरत और बांटने की राजनीति करती है। सपा किसानों, नौजवानों, महिलाओं को आगे बढ़ाने और विकास के कार्य करती है। समाजवादी सरकार ने विश्वस्तरीय लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे बनाया है। देश में सबसे पहला एक्सप्रेस-वे समाजवादी सरकार ने बनाने का काम किया।

समाजवादी सरकार ने किसानों को यमुना एक्सप्रेस-वे का मुआवजा दिलाया। सपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में जिलों को फोर-लेन सड़कों से जोड़ा। समाजवादी सरकार ने उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में जिले-जिले, तहसील और गांवों को जोड़ने का काम किया लेकिन भ्रष्ट भाजपा सरकार ने सब खराब कर दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी सरकार बनते ही यूपी में हर वर्ग और हर क्षेत्र के लिए काम होगा। किसानों को गन्ना का भुगतान 24 घंटे में किया जाएगा। महिलाओं की मदद होगी। छात्राओं की केजी से पीजी तक शिक्षा मुफ्त होगी।

संक्षेप

गंगा स्नान करने आया युवक गहरे पानी में डूबा तलाश जारी

सुमेरपुर, उन्नाव। बारा सगवर थाना क्षेत्र के बक्सर स्थित मां चंडिका देवी दरबार में गंगा स्नान करने आया 25 वर्षीय युवक गंगा में डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से डूबे युवक की खोज करा रही है। कोतवाली कोतवाली क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर कर्ण निवासी गौरव पुत्र राम जीवन अपने चाचा राम गणेश, चाची अर्चना, मां संगीता, मौसी पूजा, बहन प्रतिमा तथा परिवार के अन्य लोगों के साथ बक्सर घाट पर गंगा स्नान करने एवं मां के दरबार में दर्शन करने आए हुए थे मंगलवार सुबह लगभग 11:00 बजे हनुमान मंदिर के पीछे गौरव का पैर फिसल जाने से गहराई में चले गए और डूबने लगे परिजनों की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बक्सर चौकी इंचार्ज राजेंद्र मिश्रा ने स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर युवक की खोज शुरू कराई थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि युवक की खोज कराई जा रही है अभी तक युवक का पता नहीं चल सका समाचार लिखे जाने तक युवक की तलाश जारी थी।

अनियंत्रित बाइक खंती में पलटी मां की मौत बेटा घायल

सफीपुर, उन्नाव। मियागंज - सफीपुर मार्ग पर अनियंत्रित बाइक खंती में पलट गई जिसके सवार मां बेटे गम्भीर रूप से घायल हो गए दोनो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर मौजूद चिकित्सक ने मां को मृत घोषित कर दिया। कोतवाली गंगाघाट क्षेत्र के बरधना गांव निवासी ननकी 50 वर्ष पत्नी राम बाबू अपने पुत्र अंकित के साथ अपनी ननद के घर मियागंज गई थी जहा से वापस अपने घर बेटे के साथ बाइक से जा रही थी तभी कोतवाली क्षेत्र के मियागंज सफीपुर मार्ग गौरी मोड़ के पास बाइक अनियंत्रित हो कर खंती में पलट गई जिससे मां बेटा घायल हो गए दोनो घायलों को राहगीरों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया जहां पर मौजूद चिकित्सक ने नंहकनी को मृत घोषित कर दिया व बेटे का उपचार किया गया मौत की खबर मिलते ही पति रामबाबू पुत्र विशाल, आयूष व पुत्री संगीता, अनीता, रूबी मौके पर पहुंचे शव देखते दहाड़े मार कर रोते बिलखने लगे प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि सूचना नही मिली है अगर मिलती है तो अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

जहरीले कीडे के काटने से किशोर की हुई मौत

पुरवा, उन्नाव। कोतवाली के गांव मदारीखेडा निवासी सोनू का 12वर्षीय पुत्र धर्मपाल को तेज हवा आने दरवाजे रखी साइकिल को उठाकर रखने लगा तभी जहरीले कीडे ने काटने पर किशोर सो गया ।काफी देर तक न उठने पर परिजन उसे लेकर सीएचसी पहुचे जहां चिकित्सक ने धर्मपाल को मृत घोषित कर दिया । सीएचसी से मिले मेमो के आधार पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक राजेश यादव मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है ।मृतक तीन भाईयों में सबसे बडा था ।भाई अनिकेश व मां व अन्य परिजनों का रो रोकर बेहाल है ।कोतवाली प्रभारी भवन मौर्य ने कहा कि जहरीले कीडे के काटने की सूचना मिली है शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है ।

यापार प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिला अध्यक्ष रजनीकांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में व्यापारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से यह ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसमें व्यापारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग की गई है। रजनीकांत श्रीवास्तव ने बताया कि यह ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री तक भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अन्य वर्गों के लिए कई बीमा योजनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन जीएसटी पंजीकृत व्यापारी अभी भी ऐसी सुविधाओं से वंचित हैं। व्यापार मंडल ने सभी जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा की मांग की, ताकि बीमारी या आकस्मिक स्थिति में उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिल सके ।दूसरी प्रमुख मांग के रूप में, व्यापार मंडल ने जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की दुकानों के लिए एक करोड़ रुपये तक के अग्नि एवं दुर्घटना बीमा की व्यवस्था करने को कहा। उनका तर्क था कि आगजनी जैसी घटनाओं से व्यापारियों को भारी नुकसान होता है, इसलिए सरकार को इस संबंध में एक विशेष योजना लागू करनी चाहिए। ज्ञापन में जीएसटी और आयकर विभागों द्वारा विलंब से कर जमा करने पर लगाए जाने वाले 18 प्रतिशत ब्याज को कम करने की भी मांग की गई। श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार जहां जमा धनराशि पर कम ब्याज देती है, वहीं व्यापारियों से 18 प्रतिशत की दर से शुल्क वसूला जाता है। इसे घटाकर 9 प्रतिशत करने का आग्रह किया गया है। व्यापारियों ने विभिन्न विभागों में लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया को सरल बनाने की भी मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन विभागों में आजीवन लाइसेंस की व्यवस्था लागू हो चुकी है, उसी तर्ज पर अन्य विभागों में भी लाइसेंस को आजीवन मान्यता दी जाए। इससे व्यापारियों को बार-बार नवीनीकरण की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा। ज्ञापन में विभागीय सर्वे, छापेमारी और सैंपलिंग के दौरान पारदर्शिता सुनिश्चित करने की भी मांग शामिल है। व्यापार मंडल का कहना है कि आयकर, जीएसटी और अन्य विभागों के अधिकारी बिना स्पष्ट पहचान के व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुंचते हैं, जिससे भ्रम और उत्पीड़न की स्थिति पैदा होती है।

ज्येष्ठ माह के छठे मंगलवार को भक्ति की दिखी आस्था जगह जगह भंडारे का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। ज्येष्ठ माह के छठे बड़े मंगल पर मंगलवार को भक्ति और श्रद्धा का माहौल रहा। शहर से लेकर शुक्लागंज तक हनुमान मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ और भंडारों का आयोजन किया गया।इस दौरान 'जय श्रीराम' और 'जय बजरंगबली' के जयघोष से मंदिर परिसर गूंजते रहे। शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।सुबह से देर शाम तक दर्शन-पूजन का क्रम जारी रहा। कई स्थानों पर अखंड सुंदरकांड पाठ और सामूहिक हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भाग लिया।पुलिस लाइन परिसर में भी बड़े मंगल के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों ने भी प्रसाद ग्रहण किया।उन्नाव शहर, शुक्लागंज, बड़े चौराहों, बाजारों और विभिन्न मोहल्लों में जगह-जगह भंडारों का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं और राहगीरों को पूरी-सब्जी, हलवा, बूंदी, प्रसाद और विभिन्न प्रकार के शीतल पेय वितरित किए गए। भीषण गर्मी को देखते हुए अनेक सामाजिक संगठनों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने शरबत शिविर लगाए, जहां लोगों को ठंडा शरबत और पेयजल उपलब्ध कराया गया।इन शिविरों पर दिनभर भीड़ लगी रही। इन धार्मिक आयोजनों को सफल बनाने में सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों और स्थानीय युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवक प्रसाद वितरण, पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन में सक्रिय रहे। आयोजकों द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ माह के प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल के रूप में मनाया जाता है। इस दिन भगवान हनुमान की विशेष पूजा, सुंदरकांड पाठ और भंडारा कराने का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि बजरंगबली की आराधना से जीवन के संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ओवरटेक के चक्कर मे पलटा ट्रक दो घंटे मार्ग पर लगा रहा जाम

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बंगाल से मक्का लादकर कानपुर एच एल जा रहा ट्रक ओवरटेक के चक्कर मे अनियंत्रित होकर पूरी रोड़ कवर कर बीच मे पलट गया। जिससे करीब 2 घण्टे तक यातायात बाधित रहा। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के दही चौकी पुरवा मार्ग तौरा स्थित वृहद गौशाला के निकट मक्का लदा ट्रक जो कि बंगाल राज्य से मक्का लादकर कानपुर एच एल में मक्का उतारने जा रहा था। घटना मंगलवार भोर पहर करीब 5:30 बजे ओवरटेक के चक्कर मे साइड पटरी न बनी होने से अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें सवार चालक अभिषेक व परिचालक श्याम घटना का शिकार होते बाल बाल बचे। ट्रक बीच मार्ग में बेड़ा पलटने से पूरा मार्ग बाधित रहा। घटनास्थल से दोनों ओर करीब 2 किलोमीटर से अधिक का लंबा जाम लगा रहा। घटना के डेढ़ घण्टे बाद तक कोई भी पुलिस कर्मी नही पंहुचा। जाम लगने से सुबह जाने वाले फैक्ट्री श्रमिक समेत अन्य राहगीरों को पलटे ट्रक में मक्का की बोरिया फटने व मक्का पूरे रोड़ पर फैलने से रास्ता पार करना भारी संकट रहा। हालात यह रहे कि बाइक सवार व पैदल राहगीर ही निकल सके, बाकी पूरा मार्ग बाधित रहा, छोटे बड़े वाहनों की लंबी कतार लगी रही। घटना के काफी समय बाद पुरवा पुलिस मौके पर पहुँची और हाइड्रा बुलवाकर ट्रक को एक साइड में करवाकर यातायात शुरू कराया गया। कोतवाल भुवन सिंह मौर्य ने बताया कि ट्रक पलटने से मार्ग अवरुद्ध था, ट्रक को हाइड्रा से हटवाकर यातायात शुरू करवा दिया गया है।

सेना मेडल के बाद शौर्य चक्र विजेता बने बड़ी पनई के मेजर आदित्य प्रताप सिंह

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। विकासखंड अंतर्गत बड़ी पनई गांव के निवासी मेजर आदित्य प्रताप सिंह को उनकी असाधारण वीरता और राष्ट्र सेवा के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'रक्षा अलंकरण समारोह' में प्रतिष्ठित 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया है। राजपूताना राइफल्स/44 असम राइफल्स के मेजर आदित्य को यह सम्मान नार्थ ईस्ट (पूर्वांचल) में उग्रवादियों के विरुद्ध चलाए गए एक साहसिक अभियान के लिए दिया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा पूर्व में जारी गजट के अनुसार, अक्टूबर 2024 में भारत-म्यांमार सीमा के पास भारी हथियारों से लैस एक उग्रवादी समूह द्वारा बड़े हमले और घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। मेजर आदित्य ने तुरंत कमान संभालते हुए बेहद दुर्गम परिस्थितियों में लगातार 72 घंटे तक सघन निगरानी अभियान चलाया। इस दौरान विद्रोहियों से महज 30 मीटर की दूरी पर हुई भीषण मुठभेड़ में उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना अकेले ही मोस्ट वांटेड उग्रवादी को मार गिराया। इससे पहले वर्ष 2021 में भी 'ऑपरेशन आतंकवादी' के दौरान आमने-सामने की लड़ाई में कई आतंकियों को ढेर करने पर उन्हें 'सेना मेडल' मिल चुका है। 1991 में जन्मे मेजर आदित्य प्रताप सिंह की रगों में राष्ट्रभक्ति विरासत से मिली है। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय भारत सिंह के प्रपौत्र, स्वर्गीय शिवगुलाम सिंह के पौत्र और स्वर्गीय मेजर दुर्गा सिंह के नाती हैं। वर्ष 2010 में पिता हरि प्रताप सिंह के निधन के बाद मां विमलो सिंह और बड़े भाई संजय सिंह ने उनकी देखरेख की। वर्ष 2014 में सेना में कमीशन प्राप्त करने वाले मेजर आदित्य ने लखनऊ के एपीएस एकेडमी से प्रारंभिक शिक्षा और दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक किया है। उनकी इस अभूतपूर्व सफलता से दीप सिंह, सुंदर लाल बाजपेयी, आशीष शुक्ला, योगेश बाजपेयी, शिवकरन, आदि ने हर्ष व्यक्त किया है।

अलग अलग मार्गों पर हुई सड़क दुर्घटना में वृद्धा समेत दो घायल

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। अलग अलग मार्ग दुर्घटनाओं में वृद्धा सहित दो लोग गंभीर रूप से हो गए।सभी घायलों को सी एच सी पहुंचाया गया जहां गंभीर रूप से घायल वृद्धा सहित दो लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला तालिब सराय निवासी मोहम्मद आलम 40 पुत्र अख्तरुलहक अपने मामा मुख्तार 55 पुत्र मासुक के साथ अपने रिश्तेदार के मैय्यत में शामिल होने के लिए थाना बांगरमऊ कान्यस मटकरी गांव जा रहे थे अभी वह क्षेत्र के उन्नाव हरदोई मार्ग पर जमालुद्दीन गाँव के निकट पहुंचे ही थे कि तभी एक बच्ची दौड़ कर सड़क पार करने लगी जिसको बचाने के चक्कर में बाइक सवार मामा भांजे गिर कर घायल हो गए राहगीरों की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने भांजे मोहम्मद आलम की हालत नाजुक देख उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वही दूसरी घटन आसीवन थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंडा गांव के पास शारदा नहर पुल पर हुई जहां फतेहपुर चौरासी थाना क्षेत्र के पुरवा कुड़ीना गांव निवासिनी 80 वर्षीय वृद्धा नंदी पत्नी स्वर्गीय रामपाल सिंह अपने पोते अभिजीत सिंह पुत्र कौशलेंद्र सिंह के साथ बाइक से पड़ोसी गांव डकौली गांव स्थित पातालेश्वर मंदिर जा रही थी तभी मुंडा नहर पुल पहुंचे ही थे कि अचानक चक्कर आ जाने से वृद्धा नंदी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई जिन्हें सी एच सी पहुंचाया गया वृद्धा के सिर में गंभीर चोट होने के चलते चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

आंधी तूफान ने मचाई भारी तबाही पेड़ गिरने से वृद्ध की मौत

अमन लेखनी समाचार

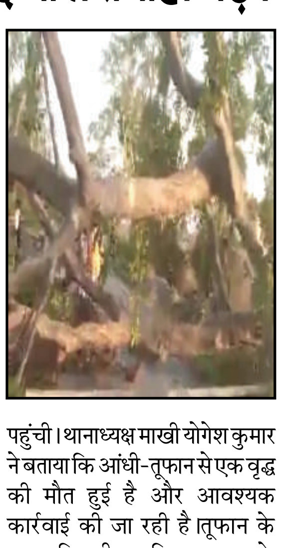

उन्नाव। सोमवार को देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने सफीपुर तहसील क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। इस दौरान एक दर्दनाक हादसे में पेड़ गिरने से 70 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। तूफान के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, बिजली के पोल क्षतिग्रस्त हो गए और 50 से अधिक गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। यह घटना सफीपुर तहसील के भिनकीपुर गांव में हुई। 70 वर्षीय झूरी अपनी झोपड़ी के नीचे सो रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी शुरू हो गई। तेज हवाओं के दबाव से पास खड़ा एक बड़ा पेड़ जड़ से उखड़कर झोपड़ी पर गिर पड़ा। झोपड़ी पूरी तरह दब गई और झूरी उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद पेड़ और झोपड़ी का मलबा हटाया, लेकिन तब तक झूरी की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष माखी योगेश कुमार ने बताया कि आंधी-तूफान से एक वृद्ध की मौत हुई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।तूफान के कारण भिनकीपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में भी व्यापक नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर पेड़ सड़कों और संपर्क मार्गों पर गिर गए, जिससे यातायात प्रभावित रहा। हाईवे पर लगा एक बड़ा सूचना बोर्ड भी तेज हवाओं के कारण धराशायी हो गया। इसके अलावा, गांवों और कस्बों में कई झोपड़ियां तथा अस्थायी गुमटियां क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली व्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचा है। तेज आंधी के चलते कई जगहों पर बिजली के पोल टूट गए और तार क्षतिग्रस्त हो गए। इसके कारण सफीपुर तहसील क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। देर शाम तक ग्रामीण अंधेरे में रहने को मजबूर रहे। बिजली विभाग की टीमें क्षतिग्रस्त पोल और तारों की मरम्मत में जुटी हुई हैं। आपूर्ति बहाल करने में समय लगने की संभावना जताई गई। स्थानीय लोगों के अनुसार तूफान की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कई स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए। करीब एक दर्जन से अधिक स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। वहीं, राजस्व विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतक के परिजनों को शासन की ओर से निर्धारित सहायता दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मंदिर निर्माण कार्य करा रहे साधु की दिनदहाड़े धारदार हथियार से हत्या

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कस्बे के घूरे टोला मोहल्ले में मंगलवार को दिनदहाड़े एक साधु की धारदार हथियार से निर्मम हत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, घूरे टोला निवासी बाबा रामदास उर्फ मिलन सिंह 65 वर्ष पुत्र सरगी रामबली पिछले करीब पांच महीनों से अपनी जमीन पर मंदिर निर्माण का कार्य करा रहे थे और वहीं रहकर पूजा-अर्चना करते थे। बताया जा रहा है कि मंगलवार को अज्ञात हमलावर ने उन पर अचानक धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। मृतक के परिजनों ने एक अज्ञात युवक पर चाकू से हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। परिवार के अनुसार बाबा रामदास पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाइयों में वीरेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, राजेश सिंह और टार्जन सिंह शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार लूट, चोरी और हत्या जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन पुलिस अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने में सफल नहीं हो पा रही है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी टक्कर दो बैंक कर्मी बचे बाल बाल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कानपुर-उन्नाव सीमा पर स्थित गंगापुल पर मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर पुल की सुरक्षा रेलिंग पर जा चढ़ी। इस हादसे में कार में सवार दो एसबीआई कर्मी बाल-बाल बच गए। दुर्घटना के कारण पुल पर करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे यातायात बाधित हुआ। चकेरी के श्यामनगर निवासी एसबीआई कर्मचारी अमित शर्मा अपने सहकर्मी निशांत शर्मा के साथ उन्नाव के गगनखेड़ा स्थित एसबीआई शाखा में ड्यूटी पर जा रहे थे। गंगापुल पर पहुंचते ही पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर पुल की सुरक्षा रेलिंग पर चढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत कार सवारों को बाहर निकाला। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। यदि सुरक्षा रेलिंग न होती तो कार नीचे गंगा नदी में गिर सकती थी।हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना के कारण रामादेवी से उन्नाव की ओर जाने वाले फ्लाईओवर और पुल पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब तीन किलोमीटर लंबे जाम में फैक्ट्रीकर्मी, ऑफिसकर्मी और अन्य यात्री भीषण गर्मी में घंटों फंसे रहे। सूचना मिलने पर यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। लगभग 45 मिनट तक चले बचाव और यातायात संचालन अभियान के तहत क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को हटाया गया। इसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। टीएसआई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम से जाम की सूचना मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि क्रेन की सहायता से कार को हटाकर यातायात सुचारु कर दिया गया है और फरार ट्रक चालक की पहचान की जा रही है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दूसरे दिन भी संपन्न हुई सिपाही भर्ती परीक्षा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती (एनरोलमेंट-2025) लिखित परीक्षा का दूसरा दिन मंगलवार को भी कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हो रहा है। जिले के 12 परीक्षा केंद्रों पर 3662 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को गहन तलाशी, दस्तावेजों के सत्यापन और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाओं के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। मंगलवार सुबह से ही विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखी गईं। आगरा, लखनऊ, रायबरेली, फतेहपुर सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से अभ्यर्थी परीक्षा देने उन्नाव पहुंचे हैं। केंद्रों के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई है, जहां अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र और पहचान पत्रों की गहन जांच की जा रही है। जिले में अटल बिहारी इंटर कॉलेज, डीएसएन इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, ओपीडी इंटर कॉलेज, श्यामलाल इंटर कॉलेज, एसएवी इंटर कॉलेज और अचलगंज सहित कुल 12केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित की जा रही है। प्रशासन के अनुसार, लगभग 3662 अभ्यर्थी इसमें भाग ले रहे हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित है। समय से पहले केंद्रों पर पहुंचने वाले अभ्यर्थियों को सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद ही परीक्षा कक्षों में प्रवेश दिया गया।परीक्षा की निगरानी के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह लगातार व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश कुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेट भी तैनात किए गए हैं। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी अभ्यर्थी को कोई परेशानी न हो। इसके लिए शहर में पुलिस सहायता केंद्र भी स्थापित किए गए हैं, जहां बाहर से आए अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों की जानकारी और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

डस्ट लदा डंपर अनियंत्रित होकर पलटा तीन घायल

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिहार -बक्सर मार्ग पर सराय मनिहार गाँव के समीप अनियंत्रित गति से चल रहे डस्ट लदा डंपर पलट गया जिसमें स्कूटी सवार व्यक्ति बाल बाल बच गया। जबकि डम्फर सवार घायलो को सुमेरपुर अस्तपताल ले जाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कबरई बांदा निवासी प्रमोद डस्ट का काम करते है। शुबह 4 बजे उनका ट्रक डस्ट लेकर कबरई से लखनऊ के लिए निकला। सराय मनिहार गाँव के पास ओवरटेक करने के चक्कर मे ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया । पास में लगी चक्की में स्कूटी से गेहूं पिसाने आये रामपुर खरही निवासी रामनरेश

पुत्र रामभरोसे बाल बाल बच गए जबकि ट्रक में बैठे जगतपुर निवासी बाबूशंकर को गम्भीर चोटे जबकि चालक अर्पित व क्लीनर विपिन को मामूली चोटें आई । सभी घायलों को सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहा प्राथमिक उपचार उपरान्त घर भेज दिया गया।

लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं में सड़क के किनारे पटरी भराई न होने से आये दिन दुर्घटनाये हो रही है।

प्रकृति पर्यावरण प्रहरी सम्मान से सम्मानित हुए पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जनपद के पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सब इंस्पेक्टर अनूप कुमार मिश्रा को ₹प्रकृति पर्यावरण प्रहरी सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें लखनऊ में एलिस महिला प्रशिक्षण संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभिन्न नामचीन हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित विशेष चर्चा में सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौती बनकर उभर रहे हैं। इन समस्याओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और प्रदूषण नियंत्रण सबसे कारगर उपाय हैं।

उन्होंने कहा कि पेड़ वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं। साथ ही छाया और वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया के माध्यम से आसपास के तापमान को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्राकृतिक एसी के रूप में जाने जाने वाले पीपल, बरगद और नीम जैसे छायादार एवं फलदार वृक्षों का अधिक से अधिक रोपण करना चाहिए तथा उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए।

अनूप मिश्रा ने बताया कि जनसहयोग से संचालित ₹ग्रीन उन्नाव अभियान₹ के तहत पिछले तीन वर्षों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 20 हजार से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। अभियान का उद्देश्य न केवल हरित क्षेत्र बढ़ाना है, बल्कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना भी है।

सम्मान मिलने पर अनूप मिश्रा ने इसे जनपदवासियों और अभियान से जुड़े सभी सहयोगियों की सामूहिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। यदि सभी लोग मिलकर वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है।

अल नीनो एक मौसमी घटना है जो प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के गर्म होने से उत्पन्न होती है। यह आमतौर पर भारतीय मानसून को कमजोर करती है, जिससे बारिश कम होने की आशंका बनी रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर होने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। हालांकि, हाल के वर्षों में अन्य मौसमी कारकों (जैसे 'इंडियन ओशन डायपोल') की सक्रियता के कारण भारत पर अल नीनो का सीधा और विनाशकारी प्रभाव कम हो गया है। फिर भी हमें इसके दुष्प्रभावों के प्रति सचेत रहना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जल संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

अल नीनो : भारत पर प्रभाव की आशंका कम

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

> हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। मौसम वैज्ञानिक इसका विश्लेषण इस तरह करते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। वैसे भी वायुमंडल की गर्मी के कारण मौसम की स्थितियां बदल रही हैं और यह कब कहां क्या रूप लेगा इसकी सटीक भविष्यवाणी पहले से ज्यादा कठिन हो गई है, लेकिन इस तरह हवा पानी की धारा में परिवर्तन और उनसे गर्मी और ठंड क्यों उत्पन्न होती है, इसका विश्लेषण कोई नहीं करता।

फिर एक बार हमारे देश में अल-नीनो प्रभाव की आशंकाएं पैदा हुई है। पश्चिम एशिया तनाव के कारण पहले से ही समस्या है और अल नीनो आ गया तो कृषि पर दोहरी मार पड़ सकती है। हालांकि जैसा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि अभी मौसम विभाग का अंतिम अनुमान नहीं आया है, लेकिन अल नीनो से फसलों पर कोई बुरा असर न पड़े, इसको लेकर पूरी तैयारी की जा रही है। इसके अनुसार हम बीज की व्यवस्था कर रहे हैं। यानी जिस राज्य की जैसी आवश्यकता होगी, जो स्थिति होगी, उनके अनुसार काम किया जाएगा। कृषि मंत्री के आश्वासन से निश्चित रूप से देश को थोड़ी राहत मिली है। किंतु मनुष्य की कोई भी व्यवस्था प्रकृति के प्रकोप के समक्ष कमजोर होती है, इसलिए सबकी कामना होगी कि भारत अल नीनो के नकारात्मक प्रभाव से मुक्त रहे।

पहले समझें कि अल नीनो है क्या? अल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है, छोटा बच्चा। इसके अर्थ पर मत जाइए। सामान्य भाषा में कहें तो अल-नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय क्षेत्र पर फैली गर्मी के कारण होता है। यानी प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी भाग या पेरू के निकट समुद्री तट और पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। यानि समान तापमान से चार-पांच डिग्री अधिक। यही अल नीनो है।

मौसम प्रणालियों का संतुलन

इस गर्मी से समुद्र में चल रही हवाओं के रास्ते और रफ्तार में बदलाव आता है और विश्व भर की मौसम प्रणालियों का संतुलन बिगड़ जाता है। इससे भारत में मानसून कमजोर होने, कम बारिश और भीषण गर्मी की स्थिति उत्पन्न होती है। हम न भूलें कि वैज्ञानिक को जो कुछ उस दौरान अध्ययनों से दिखाई देता है, केवल उसे सामने लाते हैं। प्रकृति के संपूर्ण रहस्य को न कोई समझ पाया और न समझ सकता है। इसीलिए विश्व में अब नास्तिकों और अनिश्वरवादियों की संख्या कम हो चुकी है। सभी प्राकृतिक घटनाओं के पीछे केवल वैज्ञानिक कारण देखने की जगह अधिकांश ब्रह्मांड के नियंता के प्रभाव के रूप में देखते-समझते हैं। वर्तमान मानव सभ्यता के सच्चे इतिहास को देखते हुए यही दिशा उचित है। अल नीनो कैसे प्रभाव डालता है? वस्तुतः व्यापारिक हवाएं समान्यतः पूर्व से पश्चिम की ओर चलती हैं और गर्म पानी को ऑस्ट्रेलिया और एशिया की तरफ ले जाती रहती है। अल नीनो के समय ये हवाएं या तो कमजोर हो जाती हैं या उल्टी दिशा में बहने के कारण, गर्म पानी वापस अमेरिका और पेरू के तटों की ओर जाती हैं। इस कारण पूर्वी प्रशांत महासागर का तापमान सामान्य से 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। प्रशांत महासागर के तापमान से वैश्विक मौसम प्रभावित होता है।

खरीफ फसलों को नुकसान

इससे गर्मी बढ़ने और उसके परिणामस्वरूप कहीं भयंकर सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, और भारत सहित दक्षिणी एशिया के कुछ क्षेत्रों में वर्षा कम होती है और सूखे की स्थिति बनती है। दूसरी ओर दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र के तटीय इलाके यानी पेरू जैसे देश में अत्यधिक बारिश और बाढ़ जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। भारत की दृष्टि से विचार करें तो अल नीनो के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाएं कमजोर हो जाने से भयानक सूखा आता है। स्वाभाविक ही खरीफ की फसलों जैसे धान, सोयाबीन, मक्का आदि को भारी नुकसान होता है। इस कारण खाद्यान्न की कमी और इसके साथ सब्जियां, फल आदि महंगे होते हैं। अर्थशास्त्र में इसे खाद्य मुद्रास्फीति का बढ़ना कहा जाता है। गर्मी के समय तापमान बढ़ जाए तो फिर इसकी चपेट में मनुष्य, पशु-पक्षी और वनस्पति सब आते हैं। अल नीनो के विपरीत भी स्थिति होती है जिसे ला नीना कहा जाता है। इसमें प्रशांत महासागर का जल सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है और भारत में जबरदस्त बारिश की स्थिति बनती है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ही अर्थव्यवस्था और कृषि का आधार है। 1951 से 2022 के बीच के आंकड़े बताते हैं कि अपवादों को छोड़ अल नीनो वाले वर्षों में बारिश औसत से 60% तक कम हुई।

कई बार विफल रहीं भविष्यवाणी

1871 के बाद से जब-जब भयंकर सूखा पड़ा, अल नीनो उसके साथ जुड़ा था। हालांकि कई बार सशक्त अल नीनो के बावजूद हमारे देश में सामान्य या औसत से अधिक बारिश भी हुई। वास्तव में अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही। कम से कम 1997-98, 1983 और 1994 में मजबूत अल-नीनो होने के बावजूद मौसम को लेकर वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी सही साबित नहीं हुई। 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया भर में तबाही मचाई, लेकिन हमारे यहां मानसून में औसत से ज्यादा बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक इसका कारण सकारात्मक हिन्द महासागर द्विध्रुव या पॉजिटिव इंडियन ओशन डिपोल आईओडी बताते। इसमें पश्चिमी हिंद महासागर गर्म और पूर्वी भाग ठंडा होता है, तो यह अल-नीनो के नकारात्मक प्रभाव को कम कर देता है। यही हुआ। इसके पहले 1983 में भी अल-नीनो ने विश्व के लिए समस्याएं पैदा की लेकिन भारत में औसत से अधिक बारिश हुई। यही स्थिति 1994 और 2006 में हुई। हालांकि 2006 में अल-नीनो काफी दुर्बल था। इस मामले में भी विपरीत स्थितियां हुई। उदाहरण के लिए 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद सूखा पड़ गया। 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई और सूखा पड़ा।

हमें रहना होगा अलर्ट

कारण वही, जिसकी हमने ऊपर चर्चा की। यानी प्रशांत महासागर का पूर्वी हिस्सा ठंडा होने और अन्य मौसमी स्थितियों ने मानसून को ताकत दी। पिछले सात दशकों में 17 प्रमुख अल-नीनो में से 5 में भारत में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हुई। सभी अल नीनो में सूखे की भविष्यवाणी की गई थी। मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि अल-नीनो से पूरब में ऊपर उठती और पश्चिम में नीचे बैठती हवा की प्रक्रिया से भारत पर निचला दबाव बढ़ता है। इससे बादल नहीं बन पाते, लेकिन जब इसकी दिशा दक्षिण-पूर्व की ओर हो जाए तो भारत पर प्रभाव ज्यादा नहीं होता। हमारे सामने अल नीनो के बीच सामान्य बारिश होने और बेहतर फसल का रिकॉर्ड है तो कुछ सूखे का भी। सूखे का रिकॉर्ड हमारा कम है। बावजूद निश्चयात्मक रूप से नहीं कह सकते कि अल नीनो आया तो क्या होगा? सरकार के साथ सेवा क्षेत्र में काम करने वाले संगठन समूह भी अपनी तैयारी रखें।

खास बातें

- अल नीनो की भविष्यवाणी कई बार भारत में विफल रही
- 1997-98 के अल नीनो ने दुनिया में तबाही मचाई, लेकिन भारत में ज्यादा बारिश हुई
- 2002 में दुर्बल अल-नीनो के बावजूद देश में सूखा पड़ गया था
- 2009 में भी अल-नीनो कमजोर था, लेकिन बारिश केवल 78% हुई

ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सिंचाई व्यवस्था जरूरी

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

स्वतंत्र पत्रकार

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय 'अल नीनो' का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहां कृषि अभी- भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए। भारत की करीब साठ प्रतिशत आबादी अब भी सीधे तौर पर खेती-किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी-रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके।

भारत में भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम

अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहां तक भरत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है।

> जहां तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूंकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय

जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूंकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की मांग बढ़ेगी। इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू-आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं।

रासायनिक खाद के उपयोग वाली फसलों से बचें

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें। इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जलसंरक्षण और पौधरोपण पर दें ध्यान

व्यवस्था

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

कल्पना कीजिए, मानसून आया ही नहीं। खेत सूखे पड़े हैं, किसान चिंतित हैं और बाजार में सब्जियों-अनाज के दाम आसमान छू रहे हैं। यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि अल नीनो के दौरान भारत में कई बार हो चुकी सच्चाई है। अल नीनो एक प्राकृतिक घटना है। इसमें प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र का पानी अचानक गर्म हो जाता है। भारत में इसका सबसे ज्यादा असर दक्षिण-पश्चिम मानसून पर पड़ता है। बारिश कम होती है, सूखा पड़ता है, फसलें बर्बाद होती हैं और गर्मी और बढ़ जाती है। 2015-16 में जब मजबूत अल नीनो आया था, तब देश के कई राज्यों में भारी सूखा पड़ा। किसानों की फसलें सूख गईं, पानी की किल्लत हुई और खाद्य सुरक्षा पर संकट आ गया। अब जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो और भी ताकतवर हो सकता है। ऐसे में सवाल यह है कि इसके असर को कैसे कम किया जाए?

चेतावनी पहले, नुकसान बाद में

सबसे जरूरी है सही समय पर चेतावनी मिलना। भारतीय मौसम विभाग अमेरिका के राष्ट्रीय समुद्री एवं वायुमंडलीय प्रशासन के साथ मिलकर अल नीनो की निगरानी करता है। सैटेलाइट, समुद्र में लगे बुओय और कंप्यूटर मॉडल की मदद से कई महीने पहले पता चल जाता है कि अल नीनो आ रहा है या नहीं। बुओय समुद्र में तैरने वाला एक विशेष उपकरण होता है। यह एक प्रकार की 'तैरती निगरानी मशीन' है जो महासागर के बीच में लगाई जाती है। अगर किसान को पहले पता चल जाए कि इस साल बारिश कम होगी, तो वह अपनी फसल की योजना बदल सकता है।

भारत में आधी से ज्यादा आबादी अभी भी खेती पर निर्भर है। इसलिए कृषि को अल नीनो की मार से बचाना सबसे बड़ा चुनौती है। किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है। खेतों में वर्षा जल संचयन, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर पानी को रोकना और भूजल बढ़ाना चाहिए। अल नीनो सूखे का सबसे बड़ा कारण बनता है। इसलिए जल प्रबंधन को लेकर अब गंभीर कदम उठाने पड़ेंगे। नदियों के पूरे क्षेत्र में पानी का बेहतर प्रबंधन, भूजल का संरक्षण और गंदे पानी का दोबारा इस्तेमाल जरूरी है। शहरों में वर्षा जल संचयन को कानून से अनिवार्य बनाना चाहिए। वन और पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि पेड़ लगाना अल नीनो से लड़ने का सबसे सस्ता और असरदार तरीका है। पेड़ हवा में नमी बढ़ाते हैं, स्थानीय बारिश को बढ़ावा देते हैं और मिट्टी को कटने से बचाते हैं।

आपदा से पहले तैयारी जरूरी

अल नीनो सिर्फ सूखा नहीं लाता, बल्कि कभी-कभी भारी बारिश, बाढ़, जंगल की आग और बीमारियां (मलेरिया, डेंगू) भी बढ़ा देता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को और मजबूत बनाने की जरूरत है। गांव-गांव में समुदाय आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली होनी चाहिए। हर गांव में सूखा प्रबंधन योजना, फसल बीमा और आपात अनाज भंडारण तैयार रखना चाहिए। सरकार को लंबी अवधि की नीतियां बनानी होंगी। कृषि, जल संसाधन और विज्ञान मंत्रालयों के बीच बेहतर तालमेल जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और विश्व मौसम संगठन (डब्ल्यूएमओ) जैसे मंचों पर सहयोग बढ़ाना चाहिए। विकसित देशों से बेहतर तकनीक और फंडिंग भी लानी होगी। छोटे किसानों को सब्सिडी, सस्ता कर्ज और प्रशिक्षण देना जरूरी है। मनरेगा को जल संरक्षण के कामों से जोड़ें। महिलाओं और आदिवासी समुदायों को खास ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि वे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और स्मार्ट सेंसर वाली खेती भविष्य की राह हो सकती है।

पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनें

अल नीनो को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसके असर को निश्चित रूप से कम किया जा सकता है। एक बात जान लें कि हर नागरिक को पानी बचाने, पेड़ लगाने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनना होगा। अगर आज हम सही कदम उठाएंगे, तो कल हमारे बच्चे अल नीनो जैसी चुनौतियों से कम डरेंगे।

किसान सूखा सहन करने वाली फसलें बो सकते हैं। जैसे बाजरा, रागी, ज्वार और कुछ खास किस्मों के चावल व गेहूं। एक ही फसल पर निर्भर रहने की बजाय कई तरह की फसलें उगानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई से पानी की बचत 40 से 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

आधुनिक कृषि तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार

उत्पादन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

भीषण गर्मी के लंबे दौर के बाद देश के कुछ हिस्सों में भले ही छिटपुट बारिश शुरू हो गई हो, लेकिन लगातार बढ़ते तापमान ने कृषि क्षेत्र की चिंताओं को कम नहीं किया है। कई राज्यों में जमीन की नमी तेजी से घट रही है और कुछ क्षेत्रों में सूखे जैसी परिस्थितियां बनने लगी हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि यही स्थिति आगे भी बनी रही, तो इसका सीधा असर खेती-किसानी, जल संसाधनों और प्राकृतिक हरियाली पर पड़ सकता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहता। यहां अल नीनो का संबंध अक्सर कमजोर मानसून और कम वर्षा से जोड़ा जाता है। यही वजह है कि जब भी अल नीनो सक्रिय होता है, किसानों और कृषि विशेषज्ञों की चिंता बढ़ जाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां आज भी करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर है। हालांकि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है, लेकिन देश का एक बड़ा कृषि क्षेत्र अब भी मानसून की बारिश पर ही निर्भर है।

अच्छी बरसात पर निर्भर फसलें

ऐसे में मानसून का सामान्य रहना किसानों के लिए जीवन-रेखा के समान है। यदि समय पर पर्याप्त वर्षा हो जाए तो फसलों की पैदावार अच्छी होती है, लेकिन बारिश कम होने पर उत्पादन प्रभावित होना तय है। भारत में सामान्य रूप से जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून सक्रिय रहता है और इसी अवधि में देश की अधिकांश वार्षिक वर्षा होती है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, गन्ना और विभिन्न प्रकार की दालें जैसी प्रमुख फसलें मानसूनी बारिश पर काफी हद तक निर्भर करती हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो, तो फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है और उत्पादन में गिरावट आने लगती है। इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। अल नीनो को आसान भाषा में समझें तो मान लीजिए आपके घर में एक बड़ा पानी का टैंक है। यदि उसका पानी अचानक सामान्य से अधिक गर्म हो जाए, तो उसके आसपास का वातावरण भी प्रभावित होने लगेगा। ठीक इसी तरह जब समुद्र का पानी गर्म होता है, तो हवा, बादलों और वर्षा के तौर-तरीके में बदलाव आने लगता है।

फलस्वरूप, कई क्षेत्रों में बारिश कम हो जाती है और तापमान बढ़ जाता है। यही स्थिति मानसून को कमजोर कर सकती है। इसका प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता। यदि किसी क्षेत्र में सामान्य वर्षों की तुलना में कम बारिश होती है, तो मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है। किसानों को बुवाई में देरी करनी पड़ सकती है या कई बार दोबारा बुवाई करनी पड़ती है। इससे उनकी लागत बढ़ती है और जोखिम भी। जलाशयों, तालाबों और भूजल स्तर पर भी इसका असर दिखाई देता है।

कृषि उत्पादन में कमी

कई इलाकों में पशुपालन और पेयजल व्यवस्था तक प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल नीनो वाले वर्षों में कृषि उत्पादन में कमी आने की आशंका बढ़ जाती है। जब पैदावार घटती है तो खाद्यान्न की उपलब्धता भी प्रभावित होती है। इसका असर बाजार पर पड़ता है और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं। महंगाई बढ़ने से आम उपभोक्ता प्रभावित होते हैं, जबकि गरीब और ग्रामीण परिवारों पर इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक पड़ता है। इस प्रकार अल-नीनो का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था और समाज पर दिखाई देता है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। इससे सरकारों, कृषि विभागों और किसानों को आवश्यक तैयारियां करने का अवसर मिलता है। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

वैकल्पिक संसाधनों का विकास

यदि इस वर्ष अल-नीनो का प्रभाव अपेक्षा से अधिक रहा, तो कृषि उत्पादन पर इसका असर दिखाई दे सकता है। इसलिए समय की मांग है कि हम केवल अच्छी बारिश की प्रतीक्षा करने के बजाय जल प्रबंधन, आधुनिक कृषि तकनीकों और वैकल्पिक संसाधनों के विकास पर गंभीरता से काम करें।

मौसम और जलवायु विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। आज वैज्ञानिक और मौसम विभाग अल-नीनो की संभावित स्थिति का पहले से अनुमान लगाने में काफी हद तक सक्षम हैं। निस्संदेह भारत की कृषि व्यवस्था आज भी मानसून पर काफी हद तक निर्भर है।

संक्षेप

भुगतान के लिए ठेकेदार ने पकड़े बीडीओ के पैर

वीडियो आया सामने, रकम न मिलने पर अनशन पर बैठे; सचिव पर लगे आरोप

अमेठी , ब्लॉक क्षेत्र के कटरा फूलकुंवर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में सामग्री आपूर्ति करने वाले एक ठेकेदार ने बकाया भुगतान न मिलने से नाराज होकर आमरण अनशन शुरू कर दिया है।ठेकेदार ने मौके पर पहुंचे खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के पैर पकड़कर भुगतान की गुहार लगाई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ठेकेदार विवेक मिश्रा ने बीडीओ कार्यालय के बाहर यह अनशन शुरू किया है। वायरल वीडियो में वह बीडीओ के सामने रोते हुए अपने बकाया पैसे के भुगतान की मांग करते दिख रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों पर लगातार चक्कर कटवाने और सुनवाई न करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार, कटरा फूलकुंवर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य चल रहा था, जिसका लगभग 80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यह कार्य महक ट्रेडर्स को मिला था और ठेकेदार विवेक मिश्रा ने इसमें सामग्री की आपूर्ति की थी। ठेकेदार का आरोप है कि करीब तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी उसे सामग्री आपूर्ति का पूरा भुगतान नहीं मिला है। जांच के आदेश दिए गएपीड़ित ठेकेदार ने आरोप लगाया है कि ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर लगभग 1.69 लाख रुपये का भुगतान किसी अन्य फर्म के नाम पर कर दिया है।ठेकेदार का दावा है कि 12 लाख रुपये की लागत वाला यह भवन अधिकारियों और ग्राम पंचायत स्तर पर कथित मनमानी के कारण आज तक पूर्ण नहीं हो सका है। इस मामले में ग्राम सचिव पवन यादव पर भी गंभीर आरोप लगे हैं। वहीं, इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपने ट्विटर हैंडल से भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सपा ने लिखा है कि भाजपा सरकार में बिना कमीशन के कोई काम नहीं होता और रिश्वतखोरी चरम पर है। बीडीओ बृजेश सिंह ने मामले के जांच के आदेश दिए है।

दबंगों ने जबरन खड़ंजा लगाया

विरोध करने पर महिलाओं को पीटा, टीचर की जमीन पर कब्जा

अमेठी , कुशीताली गांव में नकाबपोश दबंगों ने एक शिक्षक की जमीन पर जबरन खड़ंजा लगा दिया। विरोध करने पर घर की महिलाओं के साथ मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। यह मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के कुशीताली गांव का है। पीड़ित अरविंद पांडेय एक शिक्षक हैं। वह गौरीगंज में तैनात हैं। शनिवार सुबह वे जनगणना ड्यूटी के कारण घर से बाहर थे। इसी दौरान गांव के कुछ दबंग, जिनमें प्रशांत पांडेय पुत्र वीरेंद्र पांडेय भी शामिल थे, अपनी पहचान छिपाने के लिए मुंह पर गमछा बांधकर आए। उन्होंने शिक्षक के घर के सामने इंटरलॉकिंग सड़क पर जबरन निजी खड़ंजा लगाना शुरू कर दिया। घर में मौजूद महिलाओं ने जब इस अवैध कब्जे का विरोध किया, तो दबंगों ने उनके साथ अभद्रता की । और मारपीट भी की। महिलाओं को डराया-धमकाया गया। पीड़ित परिवार ने पूरे मामले की शिकायत अमेठी कोतवाली पुलिस से की है।

मोहर्रम पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु कैसरगंज में शांति समिति की बैठक

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। मंगलवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डी.के. श्रीवास्तव के कार्यालय पर मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सर्किल कैसरगंज क्षेत्र के सभी ताजिया निमार्ताओं, कमेटी पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था एवं परंपरागत मयार्दाओं को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी डी.के. श्रीवास्तव ने सभी ताजिया निमार्ताओं एवं आयोजकों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि ताजिया की ऊंचाई 10 फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा किसी भी प्रकार

की नई परंपरा या परंपरा से हटकर कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द का प्रतीक है, इसलिए सभी लोग प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पूरी जिम्मेदारी के साथ पालन करें। उन्होंने यह भी कहा कि जुलूस एवं ताजिया कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था, विवाद अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन की ओर से स्पष्ट चेतावनी दी गई कि शासन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। बैठक में मौजूद थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा आयोजकों के साथ समन्वय स्थापित कर पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सभी समुदायों से आपसी प्रेम, भाईचारा एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि त्योहारों की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर सर्किल कैसरगंज के सभी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ताजिया कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई तथा सभी लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

रुपईडीहा सहित कई गांवों में ज्येष्ठ माह के छठवें बड़े मंगल पर जगह जगह प्रसाद वितरण

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रूपईडीहा, बहराइच। अधिक मास के पावन अवसर पर छठे बड़े मंगलवार को मिहींपुरवा स्थित निज आवास पर समाजसेवी एवं दैनिक जागरण के वरिष्ठ पत्रकार राजेश सिंह के तत्वावधान में श्री सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान श्रीराम एवं पवनपुत्र हनुमान जी की आराधना की तथा प्रसाद ग्रहण किया।मंगलवार दोपहर 2 बजे से विधि-विधान के साथ श्री सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा एवं रामनाम का संकीर्तन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके उपरांत सायं 4 बजे से

आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर आयोजक राजेश सिंह तथा सर्वेश जी (आरएसएस प्रचारक) ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि सुंदरकांड पाठ से मनुष्य के जीवन के कष्ट दूर होते हैं तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है।कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। पूरे आयोजन का माहौल श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से परिपूर्ण रहा।

77 लाख रुपए से होगा भुल भुलैया दास बाबा मंदिर का कायाकल्प

पर्यटन विभाग से होगा विकास कार्य मिलेंगी मूलभूत सुविधाएं

बलहा विधायक का प्रयास लाया रंग मंदिर का होगा सुंदरीकरण

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच।बलहा विधानसभा के तहसील मिहींपुरवा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सेमरी मलमला में स्थित भुल भुलैया दास बाबा मंदिर का कायाकल्प पर्यटन विभाग की ओर से कराया जाएगा इसके लिए 77 लाख 89 हजार रुपए की धनराशि स्वीकृत हुई है।धनराशि की स्वीकृत होने के बाद परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए तैयारियां तेज हो गई है परियोजना के अंतर्गत यात्री हाल, सत्संग हाल, सोलर लाइट ,शौचालय, बेंच ,पेयजल बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उसी प्रांगण में विकसित की जाएंगी ।पर्यटन विभाग द्वारा इसके निर्माण की जिम्मेदारी कार्यकारी संस्था उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लखनऊ को सौंपी गई है टेंडर की प्रक्रिया भी फाइनल हो गई है ।अधिकारियों द्वारा मौके की जांच कर जल्द ही परियोजना को धरातल पर उतरने की तैयारी शुरू कर दी गई ।आपको बताते चलें कि सेमरी मलमला में स्थित भुल भुलैया दास बाबा का मंदिर बहुत ही प्राचीन और क्षेत्र के लिए यह मंदिर आस्था का केंद्र है यहां पर काफी दूर दराज से भी श्रद्धालु पूजा पाठ के लिए आते हैं क्षेत्र का यह प्रतिष्ठित मंदिर भी माना जाता है।मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए क्षेत्रीय लोगों ने बलहा विधायक श्रीमती सरोज सोनकर को अवगत कराया था विधायक ने जीर्णोद्धार के लिए पर्यटन विभाग को पत्र लिखा था जिसकी स्वीकृति प्राप्त हुई है। विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने बताया कि भुल भुलैया बाबा का प्राचीन मंदिर है और आस्था के केंद्र है 77 लाख रुपए से पर्यटन विभाग द्वारा मंदिर प्रांगण में मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा होगी।

सांसद डॉ. आनंद गोंड ने केंद्र सरकार को लिखा पत्र

वित्त राज्य मंत्री ने पत्र का संज्ञान लेकर संबंधित विभाग को भेजा मामला

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच। पड़ोसी मित्र राष्ट्र नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद सीमा पर बढ़ी सख्ती तथा नेपाल कस्टम द्वारा 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य का भारतीय सामान ले जाने पर शुल्क लगाए जाने से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार और सामाजिक संबंध प्रभावित हो रहे हैं। इस संबंध में रूपईडीहा इकाई के उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अनुरोध पर बहराइच लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड ने केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है।सांसद डॉ. आनंद गोंड ने 15 मई 2026 को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी को पत्र भेजकर भारत-नेपाल सीमा से जुड़े क्षेत्रों, विशेषकर रुपईडीहा एवं आसपास के इलाकों में स्थानीय व्यापार, सामाजिक संपर्क तथा वर्षों पुराने पारंपरिक संबंधों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव के प्रति गंभीर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने अपने पत्र में उल्लेख किया था कि भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने रोटी-बेटी, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा व्यापारिक संबंध रहे हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था भी लंबे समय से पारंपरिक व्यापारिक गतिविधियों पर आधारित रही है। सांसद ने कहा था कि नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद लागू की गई विभिन्न व्यवस्थाओं एवं नियमों के कारण सीमा क्षेत्र में व्यापार, आवागमन और सामाजिक संबंध प्रभावित हो रहे हैं। इसका सीधा असर छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, श्रमिकों तथा आम नागरिकों पर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि नेपाल सरकार के साथ आवश्यक वार्ता कर सकारात्मक पहल की जाए, जिससे भारत-नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को बनाए रखते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों की व्यापारिक व्यवस्था पूर्व की भांति सुचारु रूप से संचालित हो सके तथा दोनों देशों के नागरिकों के बीच सहज आवागमन और सामाजिक संपर्क कायम रह सके।सांसद के इस पत्र पर संज्ञान लेते हुए केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 22 मई 2026 को भेजे अपने जवाबी पत्र में अवगत कराया है कि इस संबंध में प्राप्त मूल पत्र को नियमानुसार विचारार्थ संबंधित विभाग को भेज दिया गया है। केंद्रीय मंत्री की ओर से मिले इस आश्वासन के बाद सीमावर्ती क्षेत्र के व्यापारियों एवं आम नागरिकों में उम्मीद जगी है कि भारत-नेपाल सीमा पर उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिससे दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को और अधिक मजबूती मिल सकेगी।

बूढ़ेश्वरनाथ मंदिर परिसर में लगे हैण्डपम्प पड़े खराब

अधिकमास के महीने में हजारों हजार की संख्या में पहुंचते हैं श्रद्धालु

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। जनपद बहराइच के विकासखंड शिवपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर धोबियाहार के मजरा महादेवा में प्राचीनतम व मनोकामना सिद्ध स्थित बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर परिसर में लगे सरकारी हैंड पंप खराब पड़े हुए हैं ।जून की चिलचिलाती धूप में कई कई किलोमीटर दूर से चलकर श्रद्धालु इस मंदिर परिसर में पहुंचते हैं, जहां उन्हें स्नान ध्यान पूजन पाठ तथा जलाभिषेक के लिए पानी की किल्लत का सामना करना पड़ता है। डबल इंजन की सरकार में घर-घर पानी की योजना यहां पर फेल होती दिखाई पड़ रही है। यहां पर लगे सरकारी हैंडपंप भी बे पानी बेकार पड़े हुए हैं। पूरे मंदिर परिसर में गंदगी का बोलबाला है

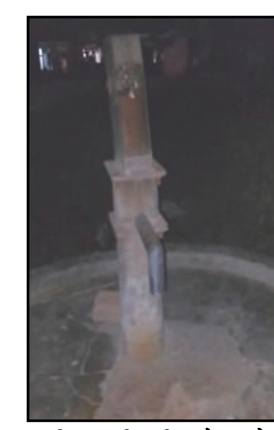

जबकि इस मंदिर परिसर में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का प्रतिदिन आना होता है ।ऐसे में ब्लॉक शिवपुर का प्रशासन आवाम को शुद्ध पेयजल तक उपलब्ध कराने में असमर्थ दिखाई पड़ रहा है ।हालांकि खंड विकास अधिकारी शिवपुर ने बताया है कि जल्द ही सरकारी हैंड पंपों को सही करवाया जायेगा।

पचास मूक-बधिर दिव्यांग जनों को मिलेगा आयुष्मान कार्ड का लाभ

योजना का लाभ दिलाने के लिए आयोजित हुआ कैंप

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जिला मुख्यालय पर स्थित धन्वंतरि सभागार में सोमवार मूक-बधिर दिव्यांगजनों के लिए एक दिवसीय विशेष आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 50 मूक-बधिर दिव्यांग लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड हेतु ऑनलाइन फॉर्म भरे गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि देवीपाटन डिवीजन डीफ वेलफेयर एसोसिएशन के अनुरोध पर यह विशेष शिविर आयोजित किया गया। वही मूक-बधिरों को संवाद में

आ रही समस्या को देखते हुए सीआरसी लखनऊ से भारतीय सांकेतिक भाषा दुभाषिया शिफाली सिंह सीआरसी लखनऊ को विशेष रूप से बुलाया गया। साथ ही जिला चिकित्सालय के इएनटी विभाग से सांकेतिक भाषा जानने वाले कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य सूचना अधिकारी डॉ. ब्रिजेश सिंह , देवीपाटन डिवीजन डीफ वेलफेयर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अमिष कुमार सिन्हा देवीपाटन मंडल सलाहकार एवं सदस्य वरुण कुमार गुप्ता सदस्य सचित कुमार वर्मा, राजीव जैन, आशीष जैन, अतुल सहित बड़ी संख्या में मूक-बधिर दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रिसिया थाने का दरोगा गिरफ्तार

एंटी करप्शन टीम ने रंगे हांथ दरोगा को दबोचा

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जनपद बहराइच में रिश्वतखोरी का धंधा खूब फल फूल रहा है इसी बीच एंटी करप्शन टीम की एंट्री होने के बाद से लगातार पुलिस विभाग सहित अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी भी एंटी करप्शन टीम के हत्थे चढ़ रहे हैं। मंगलवार को रिसिया थाना क्षेत्र में एंटी करप्शन की टीम ने रिसिया थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र चौहान को पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दारोगा ने पीड़ित को मुकदमे से बचाने के लिए पचास हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी। काफी मान मनौव्वल के बाद पांच हजार रुपए पर मामला तय हुआ इधर पीड़ित ने एंटी करप्शन टीम गोंडा से संपर्क किया एंटी करप्शन टीम के द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में पीड़ित जब

रिश्वत लेकर दरोगा सुभाष चंद्र चौहान के सरकारी आवास पर पहुंचा और जैसे दरोगा ने रिश्वत ली आसपास मौजूद एंटी करप्शन टीम ने दरोगा को रंगे हाथों दबोच लिया इस दौरान थाना परिसर में अफरा तफरी का माहौल रहा।

बाबागंज प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट का शुभारंभ

सपा नेता राजेश चौधरी ने किया उद्घाटन

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। बाबागंज स्थित बाबा परमहंस कुट्टी मेला मैदान में आयोजित बाबागंज प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन विधानसभा नानपारा 283 समाजवादी नेता राजेश चौधरी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि राजेश चौधरी ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं आत्मविश्वास का विकास करते हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय सहभागिता कर अपनी प्रतिभा को निखारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित खेल प्रतियोगिताएं नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करती हैं। उद्घाटन मैच इलाइट इलेवन व जयहिन्द रूपईडीहा के बीच खेला गया। इस अवसर पर उन्होंने टूनार्मेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के सदस्य राशीद, साहिद, कासिम, विनय, शालू सहित सभी पदाधिकारियों एवं सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रेमी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाजपुरवा में कुत्तों को उठा ले गया तेंदुआ, दहशत में ग्रामीण

अमन लेखनी समाचार

शिवपुर, बहराइच। गांव में तेंदुए द्वारा कुत्तों को उठा ले जाने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है ।क्षेत्र में लगाए गए हैं तीन कटघरे,, वन विभाग की टीम कर रही निगरानी व ग्रामीणों को जागरूक- रेंजर नानपारा। बहराइच जिले के खैरीघाट थाना क्षेत्र स्थित बाजपुरवा गांव में तेंदुए के आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। सोमवार रात एक पालतू कुत्ते को तेंदुआ उठा ले गया। इस घटना के बाद वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में तीन पिंजरे लगाए हैं ।ग्रामीणों के मुताबिक, यह घटना सोमवार रात करीब 10:30 बजे हुई। गांव निवासी रामानंद के पालतू कुत्ते को तेंदुआ उठा ले गया। ग्रामीणों ने तेंदुए का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वह कुत्ते को लेकर

भागने में सफल रहा ।यह पहली घटना नहीं है। इस घटना से दो दिन पहले भी तेंदुए ने गांव निवासी बबलू सिंह के कुत्ते को अपना निवाला बनाया था। लगातार हो रही इन घटनाओं से गांव में भय का माहौल बना हुआ है ।नानपारा के रेंजर पीयूष गुप्ता ने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में तीन पिंजरे लगाए गए हैं। वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है और ग्रामीणों को सतर्क रहने व जागरूक करने का काम कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि तेंदुए को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा ।ग्रामीणों में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है और वे लगातार सतर्कता बरत रहे हैं।

रिश्वत मांगने के आरोप में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

एसपी ने सिपाही को निलंबित किया, विभागीय कार्रवाई शुरू

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता के दो मामलों पर सख्त कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक ने एक चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया है, जबकि एक सिपाही को निलंबित कर दिया गया है ।पहला मामला कंधई थाना क्षेत्र के परानपुर गांव से जुड़ा है। यहां के निवासी प्रदीप कुमार ने बिजहरा चौकी इंचार्ज विकास कुमार निषाद पर गंभीर आरोप लगाए थे। प्रदीप कुमार ने एसपी से शिकायत की थी कि चौकी इंचार्ज ने उसे चौकी पर बुलाकर उसका मोबाइल फोन जमा कर लिया और उसे वापस करने के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

पुलिस अधीक्षक ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद चौकी इंचार्ज विकास कुमार निषाद को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। दूसरी कार्रवाई रानीगंज में तैनात सिपाही रामप्रताप यादव के खिलाफ की गई है। उस पर एक महिला फरियादी ने विपक्षी पक्ष की मदद करने का आरोप लगाया था ।जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद, एसपी ने सिपाही रामप्रताप यादव को निलंबित करते हुए उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक की इस कार्रवाई से विभाग में यह स्पष्ट संदेश गया है कि लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जमीन विवाद पर बवाल, 95 पर केस दर्ज

3 आरोपी गिरफ्तार, दुकान तोड़ने और फायरिंग का आरोप

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,जमीन पर कब्जे को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र में दो पक्षों के बीच हुए बवाल में दुकान तोड़ने और फायरिंग करने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सत्यम दुबे, शशिधर दुबे और मनीष मिश्रा के रूप में हुई है। ये सभी पट्टी क्षेत्र के निवासी हैं। आरोप है कि शशिधर दुबे अपने कई साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन से बाजार में स्थित एक दुकान की दीवार गिरा दी। घटना के दौरान फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाने का भी आरोप है। पीड़ित अरविंद मिश्रा ने बताया कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट भी की। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और

जेसीबी को कब्जे में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। पुलिस ने अरविंद मिश्रा की शिकायत पर 15 नामजद और लगभग 80 अज्ञात लोगों के खिलाफ पट्टी कोतवाली में विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है ।सीओ पट्टी मनोज रघुवंशी ने बताया कि जमीन कब्जे के विवाद में एक पक्ष द्वारा जेसीबी से दीवार गिराई गई थी। उन्होंने पुष्टि की कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्ष रमईपुर दिशनी गांव के निवासी हैं

संक्षेप

सिगरेट-पान मसाला चोर गैंग का भंडाफोड़

दुकानों से चोरी किया सामान बरामद; अन्य साथियों की तलाश में जुटी पुलिस

बागपत, कोतवाली पुलिस ने बाजारों में छोटी दुकानों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले दो शातिर युवकों को गिरफ्तार कर चोरी की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सिगरेट, पान मसाला और तंबाकू सहित चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपी लंबे समय से दुकानों से सामान चुराकर सस्ते दामों में बेच रहे थे। गश्त के दौरान मिली सफलताकोतवाली पुलिस नियमित गश्त और चेकिंग अभियान चला रही थी।इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध युवक चोरी का सामान लेकर क्षेत्र में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों युवकों को पकड़ लिया। पूछताछ में खुली चोरी की परतेंगिरफ्तार आरोपियों की पहचान नितिन और शिवम के रूप में हुई है। पुलिस ने जब दोनों से पूछताछ की तो उनके जवाब संदिग्ध पाए गए। तलाशी लेने पर उनके पास से बड़ी मात्रा में पान मसाला, तंबाकू और सिगरेट बरामद हुई, जिसके बारे में वे कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। चोरी का सामान बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 पैकेट सिगरेट, 1 लड़ी शिखर पान मसाला, 15 पाउच दिलबाग पान मसाला और 2 लड़ी तंबाकू पान मसाला बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह सामान विभिन्न दुकानों से चोरी किया गया था। पुलिस अब संबंधित दुकानदारों से संपर्क कर बरामद माल की पहचान करा रही है। छोटे व्यापारियों को बना रहे थे निशाना जांच में यह भी पता चला है कि दोनों आरोपी बड़ी चोरी की बजाय छोटी दुकानों को निशाना बनाते थे। चोरी के बाद सामान को कम कीमत पर बेचकर पैसा कमाते थे। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से स्थानीय दुकानदार परेशान थे। पुलिस कार्रवाई के बाद व्यापारियों ने राहत की सांस ली है। अन्य साथियों की तलाश जारी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्हें न्यायालय में पेश किया जाएगा।

सपा का शक्ति प्रदर्शन

नए जिलाध्यक्ष बोले– 2027 में 300 पार का लक्ष्य, नारेबाजी से गूंजा माहौल

बागपत,समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मनोज चौधरी के बागपत आगमन पर कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत कर राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया। राष्ट्र वंदना चौक पर पहुंचते ही फूल-मालाओं और नारों के बीच उनका अभिनंदन किया गया। बड़ी संख्या में मौजूद पदाधिकारियों और समर्थकों की भीड़ ने कार्यक्रम को चुनावी माहौल में तब्दील कर दिया। पूरे आयोजन के दौरान सपा कार्यकताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। फूल-मालाओं से हुआ स्वागत, दिखी संगठन की ताकत नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के स्वागत के लिए कार्यकर्ता पहले से ही राष्ट्र वंदना चौक पर जुट गए थे। मनोज चौधरी के पहुंचते ही कार्यकताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और समाजवादी पार्टी के समर्थन में जमकर नारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान सपा का संगठनात्मक दमखम भी देखने को मिला 2027 में 300 से ज्यादा संबोधित करते हुए मनोज चौधरी ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटें जीतकर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है।

चमचे खा गए पैसे कब बनेगी बुढवां गांव की पानी टंकी

पानी टंकी बनी शो पीस बूंद बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर , भीषण गर्मी के चलते संपूर्ण जनपद में बूंद बूंद पानी को वर्तमान सरकार की रहमों करम में क्षेत्रवासी तरस रहे हैं ताजा मामला जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़वां का सामने आया जहां के दर्जनों ग्रामीणों ने पीने के पानी की समस्या को बताते हुए दैनिक दिनचर्या पशुओं के लिए जल इत्यादि की समस्याएं बताई गांव में प्रस्तावित 315.6 करोड़ रुपए धनराशि से बनने वाली पानी टंकी सफेद हाथी की तरह बनकर रह गई है नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति उत्तर प्रदेश द्वारा एक कार्यवाही संस्था को जिम्मेदारी सौंप गई जहां संस्था के अधिकारी कर्मचारियों ने कुछ ग्रामीणों के प्रतिनिधित्व में कार्य कराया वही विश्वस्त सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार संपूर्ण धनराशि का 70 फीसदी धन खाते से निष्कासित हो चुका परंतु कार्य अभी तक शून्य स्तर पर है इससे साफ स्पष्ट होता है कि इस परियोजना में सरकार को चूना लगाते हुए सभी ने धन का बंदर बांट कर लिया

पल्ला झाड़ते नजर आए जिम्मेदार अधिकारी व प्रतिनिधि

इस बारे में क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि उनको इस विषय में ज्यादा जानकारी तो नहीं है परंतु शायद जिस संस्था को ठेका दिया गया था वह संस्था कार्य पूरा नहीं कर सकी जहां कंपनी को ब्लैकलिस्टेड कर दिया गया है वहीं इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से भी की गई है क्षेत्रीय विधायक ने बताया इसके विषय में जल निगम अधिशासी अभियंता से भी बात की गई है वही अवर अभियंता उज्जवल सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत बुढ़वां में जल निगम की जो कंपनी कार्य कर रही है उसके पास लगभग 50 ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी है बुढ़वां ग्राम पंचायत का कार्य काफी दिनों से रुका हुआ है जहां कंपनी को निर्देश मिला है कि जिस ग्राम पंचायत का कार्य पूरा हो जाएगा उसी का भुगतान किया जाएगा इसलिए जिन ग्राम पंचायतों का कार्य पूर्ण स्थिति पर है कंपनी वर्तमान में उसे सर्वप्रथम पूरा कर रही है इसके बाद रुकी हुई ग्राम पंचायत का कार्य प्रारंभ होगा वर्तमान में ग्राम पंचायत बुढ़वां में पावर मैक कंपनी तथा राजधानी कार्य कर रही है वही कंपनी के मुख्य अधिकारियों से भी संपर्क किया गया परंतु किसी ने भी संतोष जनक उत्तर नहीं दिया ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है वहीं कुछ ग्रामीण ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर इन कार्यों को रोक दिया गया है वहीं चुनाव आते इन्हीं कार्यों की जुमलेबाजी दिखाते हुए सरकार मतदाताओं को रिझाने का प्रयास करेगी वास्तव में हर घर जल योजना सरकार की पूर्ण रूप से ध्वस्त नजर आ रही है देखना यह है कि आखिर सरकार ऐसी गंभीर समस्याओं पर अपनी नजर कब डालेगी

ग्रामीण नवयुवकों की सरकार से अपील

पेयजल संकट से जूझ रहे गांव की समस्याओं को देखते हुए युवा विकास समिति के ब्लॉक अध्यक्ष बुढ़वां गांव निवासी वैभव अवस्थी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जलजीवन मिशन के तहत गांव गांव घर घर तक नलकूप द्वारा शुद्ध जल पहुंचाने का संकल्प लिया था।परन्तु जहानाबाद विधानसभा क्षेत्र के बुढ़वा गांव में यह संकल्प पूर्ण होता नहीं दिख रहा क्योंकि यह योजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढ़ गई है।विभागीय अधिकारी सो रहे हैं।विभागीय मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह की मानीटरिंग ग्राउंड स्तर पर शून्य हो चुकी हैं,लोकल विधायक और ठेकेदार आराम फरमा रहे हैं। वहीं ग्रामीण शोभित सिंह ने भी गांव में चारों तरफ पेय जल व्यवस्था पूर्ण रूप से ध्वस्त होने के कारण लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त बताया उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों के पास समरसेबल व्यवस्था है तो बिजली आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाती वही जिसके पास यह व्यवस्था मौजूद नहीं है तो उसे अन्य लोगों का सहारा लेना पड़ रहा है।ठीक इसी प्रकार दर्जनों अन्य ग्रामीणों ने भी सरकार की इस लापरवाही भरे कार्यों की आलोचना की

गौशाला में मिला मृत गोवंश सचिव हुआ निलंबित

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के विजयीपुर विकासखंड अंतर्गत अंजनी गौशाला में मिले मृत गोवंश को देखते हुए प्रशासन ने सचिव प्रवीण कुमार सिंह को तत्काल निलंबित कर दिया जिला विकास अधिकारी साधना दीक्षित द्वारा मिली जानकारी के अनुसार विकासखंड के अंजना भैरौं स्थित गौशाला अंतर्गत बने तालाब के पास एक मृत गोवंश की सूचना मिली सूचना मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर जाकर बारीकी से जांच की जांच में अनेक अनियमितताएं पाई गई जिसे देखते हुए सचिव को निलंबित कर दिया गया वहीं अन्य कर्मचारियों को पशुओं की देखभाल तथा उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का दिशा निर्देश दिया गया उच्च अधिकारी ने बताया कि अभी जांच प्रारंभ है इस मामले में अन्य कर्मचारी भी यदि दोषी पाए जाते हैं तो उनके ऊपर भी कार्रवाई की जाएगी

जंगल के एक पेड़ में लटका मिला युवक का शव

परिजनों में मचा कोहराम प्रशासन ने जांच की प्रारंभ

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव छेदू का डेरा मजरा ग्राम पंचायत सरहन बुजुर्ग अंतर्गत एक जंगल में एक पेड़ पर नवयुवक का शव संदिग्ध हालत में लटका मिला ग्रामीणों ने देख कर शोर मचाया तथा मौके पर भीड़ जुट गई स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना दी गई जहां मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी प्रमोद कुमार मौर्य ने जांच पड़ताल करते हुए फॉरेंसिक टीम को आमंत्रित किया मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने भी बारीकी से जांच प्रारंभ की वही मृतक की शिनाख्त 25 वर्षीय इंद्रजीत पुत्र गजराज निषाद निवासी बचनीपुर के रूप में की गई युवक अपनी बहन के घर लगभग 15 दिन पहले आया था गांव छेदू के डेरा निवासी रामचंद्र निषाद को मृतक की बहन मंजू ब्याही है वहीं सूचना मिलने पर सभी मौके पर पहुंचे तथा परिजनों को सूचना दी गई यह जानकारी मिलते ही सभी में कोहराम मच गया कुछ लोगों ने बताया कि युवक नशे का भी आदी था वहीं थाना प्रभारी ने

शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जानकारी लेने पर थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

मुस्लिम युवकों को फंसाने के लिए रची अपहरण की कहानी

लड़की को युवकों की कार में बिठाया, फिर पुलिस को सूचना दे दी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, हिंदू युवती के किडनैपिंग, छेड़छाड़ केस में फंसाने की एक फर्जी कहानी का खुलासा हुआ है। दो मुस्लिम युवकों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, लेकिन जांच में पता चला कि यह एक साजिश थी। पुलिस अब मामले के मुख्य आरोपी नकुल की तलाश में जुटी है। पुलिस के अनुसार, नकुल नाम के युवक ने पहले युवती को नौकरी दिलाने और पैसे देने का झांसा देकर अपने संपर्क में लिया। इसके बाद उसने युवती को दो युवकों की कार में बैठाया और खुद पुलिस को सूचना देकर अपहरण और अभद्रता की कहानी गढ़ दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया और युवती को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि युवती के बयान, कॉल डिटेल और 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच में पूरी कहानी बदल गई। युवती ने पुलिस को बताया कि उसे नकुल ने ही योजना के तहत कार में बैठाया था और दोनों युवकों को फंसाने की बात कही थी। पुलिस ने मामले में मुकदमा

दर्ज कर लिया है और फरार नकुल की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें लगाई गई हैं। मेडिकल थाना क्षेत्र के रिंग रोड इलाके में पुलिस को नकुल नामक युवक ने फोन कर सूचना दी कि दो मुस्लिम युवक, जीशान और शावेज, एक हिंदू युवती का अपहरण कर उसे अपने साथ ले जा रहे थे। उसने आरोप लगाया कि दोनों युवकों ने युवती के साथ अभद्रता की और उसे रिंग रोड पर छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे।नकुल ने यह भी बताया कि मैंने अपने साथियों के साथ मिलकर दोनों युवकों को पकड़ लिया है, जबकि युवती बेहोशी की हालत में मौके पर पड़ी है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल हरकत में आ गई। सूचना पर मेडिकल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बेहोश हालत में मिली युवती को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। वहीं, जीशान और शावेज को उनकी कार समेत हिरासत में ले लिया गया। मौके पर सूचना देने वाला नकुल और उसके तीन साथी भी मौजूद थे, जिनसे पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ की। 3 दोस्तों संग थाने से गायब हुआ नकुलदोनों युवकों को पुलिस मेडिकल थाने ले आई।

किशोरी अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल से कूदी

मुस्लिम युवक से प्रेम प्रसंग, आज होनी थी पंचायत; बॉयफ्रेंड ने आने से मना किया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,एक किशोरी अपार्टमेंट की तीसरी मंजिल से कूद गई। उसे घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के मुताबिक उनकी बेटी को जुनैद नाम के युवक ने शादी का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया हुआ था। उन्होंने युवक व उसके परिवार से बात करने की कोशिश की तो वह धमकाने लगा और उलटा बेटी पर आरोप लगा दिए। यह सुनकर उनकी बेटी रेलिंग पर चढ़ी और नीचे कूद गई।

पहले एक नजर डालते हैं पूरे मामले पर

मूलरूप से मवाना की रहने वाली किशोरी की 2 साल पहले मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले जुनैद से दोस्ती हो गई। दोनों छिप छिपकर मिलने लगे। परिवार को पता चला तो वह शहर में शिफ्ट हो गए और किराए का मकान लेकर रहने लगे। घर पर कोई नहीं था। किशोरी से मिलने उसका बॉयफ्रेंड आ गया। इसी दौरान दोनों को किशोरी के

भाई ने पकड़ लिया। परिजनों के घर लौटने से पहले आरोपी खुद को छुड़ाकर भाग निकला।

मां ने की ब्वायफ्रेंड से फोन पर बात

बेटे ने मां को पूरा मामला बताया। लोकलाज की खातिर मां ने पुलिस को सूचना नहीं दी और युवक से फोन पर बात की। किशोरी की मां ने युवक को बातचीत के लिए बुलाया। युवक ने भी भरोसा दिलाया कि वह सुबह घर पहुंच जाएगा। युवक की मां बोली- हमारा कोई मतलब नहीं सुबह 10 बजे का समय रखा गया। साढ़े दस बजे तक जब कोई नहीं आया तो किशोरी की मां ने फोन पर युवक से बात की। पहले तो फोन नहीं उठा। कई फोन मिलाने के बाद युवक ने फोन उठाया और आने से मना कर दिया। उसकी मां ने फोन छीनकर किशोरी की मां से कहा कि उनका कोई मतलब नहीं है।

युवक के अपहरण के 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं

लोनी में फायरिंग के बाद कार में ले जाने का आरोप, 6 टीमें जांच में जुटीं

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , लोनी क्षेत्र में गनौली गांव निवासी ओमकार के अपहरण और हत्या के मामले में 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। न तो ओमकार का कोई सुराग मिला है और न ही मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकी है। इसको लेकर ग्रामीणों और परिजनों में भारी नाराजगी है। परिजनों का आरोप है कि ओमकार बाइक से जा रहे थे, तभी खरखड़ी रेलवे स्टेशन के पास कार सवार बदमाशों ने उन पर कई राउंड फायरिंग की। इसके बाद घायल अवस्था में उन्हें जबरन कार में डालकर अपने साथ ले गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने लोनी थाना प्रभारी मुकेश सोलंकी और संबंधित चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया। हालांकि इस कार्रवाई के बावजूद अब तक ओमकार का पता नहीं चल पाया है।

घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया था। बाद में अधिकारियों के आश्वासन पर जाम समाप्त कर दिया गया, लेकिन गांव में अभी भी गुस्सा और चिंता का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि दिनदहाड़े हुई इतनी बड़ी वारदात के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच के लिए छह टीमों का गठन किया गया है। पुलिस चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरन नैय्यर भी पीड़ित परिवार से मिलने गनौली गांव पहुंचे और निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया। वहीं क्षेत्रीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने घटना को दुखद बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि 24 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी ओमकार का कोई पता क्यों नहीं चल पाया और बड़ा सवाल ये है कि पुलिस अब तक आरोपियों तक क्यों नहीं पहुंच सकी।

राजनीतिक कनेक्शन का फायदा उठाकर डॉ. सतीश ने बनाई संपत्तियां

चुनाव संयोजक बनकर कैंट बोर्ड में एंट्री की, मेरठ में 3 लाख घूस लेते सीबीआई ने पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , भाजपा नेता और कैंट बोर्ड के नामित सदस्य डॉ. सतीश चंद्र शर्मा को ने 3 लाख रुपए घूस लेते अरेस्ट किया। सतीश ने अपने राजनीतिक कनेक्शन का फायदा उठाकर तमाम संपत्ति बना ली। ये संपत्ति उसने कैंट बोर्ड का सदस्य बनने के बाद और बढ़ा ली छावनी परिषद् में सड़क से लेकर सफाई, तहबाजारी, कचरा उठान, निर्माण कामों के तमाम ठेकों में उन पर ठेकेदारों से रिश्वत लेने के आरोप हैं। आरोप ये भी है कि कैंट में होने वाले निर्माण कामों की अनुमति से लेकर नए कंस्ट्रक्शन, रिपेयरिंग में भी सतीश चंद्र शर्मा पहले अपना कमीशन सेट करते, इसके बाद कोई काम आगे बढ़ता। सतीश की अंसल टाउन में एक कोठी, एक प्लॉट,

लालकुर्ती में पुराना मकान, क्लिनिक और जागृति विहार में भी क्लिनिक है। अब इन सभी की जांच सीबीआई कर रही है। कैंट विधानसभा में भाजपा नेताओं का चुनाव संयोजक बनते-बनते वो छावनी बोर्ड की राजनीति में एंट्री कर गए। यहीं से भ्रष्टाचार का बड़ा रास्ता तैयार कर लिया।

सीबीआई ने रिश्वत लेते किया था अरेस्ट

मेरठ छावनी बोर्ड में रक्षा मंत्रालय की ओर से नामित सदस्य डॉ. सतीश शर्मा के यहां सीबीआई की टीम ने रात रेड डाली। टीम सतीश के अंसल टाउन, पल्लवपुरम, मोदीपुरम के मकान में पहुंची। जहां डॉ. सतीश को ठेकेदार विक्की द्वारा 3 लाख रुपयों की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया। इसके बाद टीम ने डॉ. सतीश के घर की तलाशी ली। घर के अंदर से काफी डॉक्यूमेंट जब्त किए हैं। परिवार के लोगों के मोबाइल भी लिए हैं। चेकिंग के दौरान घर में 50 लाख रुपए कैश मिलने की भी बात सामने आ रही है। तड़के तक टीमें सतीश के लालकुर्ती और अंसल टाउन के मकानों, क्लिनिक में छापेमारी करती रहीं। फिर रिकॉर्ड लेकर चली गईं। गाजियाबाद से सीबीआई की टीम ठेकेदार विक्की की शिकायत पर मेरठ पहुंची थी।

ठेकेदार का आरोप है कि डॉ. शर्मा ने कैंट में पार्किंग और अन्य ठेकों के रिन्यूवल के लिए उससे 9 लाख की रिश्वत मांगी थी, लेकिन बात 3 लाख पर फाइनल हुई थी।

ऑटो पार्ट्स कंपनी में भीषण आग

4 किलोमीटर दूर से दिखा धुआं, फायर ब्रिगेड की 35 गाड़ियां बुझाने पहुंची

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , सेक्टर-59 स्थित स्पार्क मिंडा कंपनी में शाम अचानक भीषण आग लग गई। इससे फैक्ट्री परिसर और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग से उठ रहा धुआं 4 किलोमीटर दूर से दिखाई दिया। कंपनी परिसर में फंसे कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

आसपास की कंपनियों को भी सतर्क करते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की 35 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब 6 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। रात करीब साढ़े 8 बजे से ही कंपनी के गेट बंद कर दिए गए। परिसर में किसी की भी एंट्री बैन कर दी गई थी। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया- ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर आग लगी थी। यहां केमिकल और थिनर रखे थे। इसी वजह से आग तेजी से फैली। हमने आग बुझाने के लिए लेटेस्ट तकनीक का यूज किया। 5 लोगों की दम घुटने से हालत खराब हो गई थी। उन्हें इलाज के लिए भेजा गया था। स्पार्क मिंडा की प्रवक्ता ने कहा- शाम 4:15 बजे हमारे मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में अग्निकांड की एक घटना हुई। आपातकालीन प्रतिक्रिया के अनुसार तत्काल कार्रवाई की गई।

सुरक्षा गार्ड की बंदूक चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार

नोएडा में सोते समय बनाया निशाना, लाइसेंसी गन और कारतूस बरामद

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,नोएडा की थाना सेक्टर-20 पुलिस ने एक सिक्योरिटी गार्ड की लाइसेंसी बंदूक चोरी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई बंदूक, चार कारतूस, दो अवैध चाकू और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, घटना है। आरोपी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी उनकी नजर सड़क किनारे सो रहे एक सिक्योरिटी गार्ड पर पड़ी। गार्ड के कंधे पर काले रंग का बैग टंगा हुआ था, जिसमें उसकी लाइसेंसी बंदूक रखी थी। आरोप है कि चारों युवकों ने मौके का फायदा उठाकर बंदूक चोरी कर ली और वहां से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले का खुलासा करते हुए चारों आरोपियों को सेक्टर-31 स्थित भगत सिंह पार्क के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दिव्यांशु शुक्ला उर्फ भूरी पुत्र रितेश शुक्ला, शिवम पुत्र बबली, साहिल शर्मा पुत्र अजय शर्मा और आर्यन सिंह पुत्र विजेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बंदूक चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

नाइजीरियाई नागरिक का शव मिला

दिमागी हालत ठीक नहीं थी, मौत के कारणों का नहीं चला पता, पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 थाना क्षेत्र में रात एक नाइजीरियाई नागरिक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, जीटा-1 निवासी चार्ल्स कैनेडी ने सूचना दी कि करीब 39 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक माइक का शव सिग्मा अपार्टमेंट के पास पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही बीटा-2 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक माइक मानसिक और शारीरिक रूप से अस्वस्थ था।

स्थानीय लोगों के अनुसार वह अक्सर क्षेत्र में घूमता रहता था और कई बार खुले स्थानों पर ही सो जाता था पुलिस को शुरूआती जांच में किसी बीमारी के कारण मौत होने की आशंका है। हालांकि, मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

बकरीद पर गौकशी रोकने के लिए पुलिस प्रशासन का किया सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने जताया आभार

अमन लेखनी समाचार

बस्ती। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने बकरीद के अवसर पर गौकशी पर प्रभावी प्रतिबंध लगाए जाने और जनपद में गौहत्या की कोई घटना न होने पर पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल बस्ती गोरक्ष प्रांत के प्रांतीय मंत्री एवं जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी तथा जिला संरक्षक मोहन राव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया तथा प्रभु श्रीराम का चित्र भेंट स्वरूप प्रदान किया।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बकरीद जैसे पर्व पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने और गौकशी पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए कार्य सराहनीय हैं। संगठन की ओर से अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रांत मंत्री एवं जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला संरक्षक मोहन राव, जिला महामंत्री रवीन्द्र कश्यप, नगर उपाध्यक्ष तेजराम, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रहरि, तहसील अध्यक्ष राजू चौहान, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेश मणि त्रिपाठी, विनोद निषाद, जिला गौ रक्षा प्रमुख कृष्ण कुमार चौधरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य हरेन्द्र सिंह, रामजी, विनीत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा में नकल की साजिश बेनकाब, बाथरूम से मोबाइल बरामद

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जनपद में चल रही पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान हाईटेक नकल का मामला सामने आने से परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। वेणी माधव इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर एक अभ्यर्थी को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा गया, जिसके बाद जांच में नकल की पूरी साजिश उजागर हुई। जानकारी के अनुसार, आगरा जिले के डौकी थाना क्षेत्र निवासी अभ्यर्थी रोहित पथौरी परीक्षा देने केंद्र पहुंचा था। परीक्षा के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर पुलिसकर्मियों ने उसे रोककर पूछताछ की। तलाशी लेने पर उसके पास से परीक्षा से संबंधित सामग्री बरामद हुई, जिसके बाद अधिकारियों को सूचना दी गई। पूछताछ में अभ्यर्थी ने बताया कि वह एक दिन पहले परीक्षा समाप्त होने के बाद प्रवेश पत्र छूट जाने का बहाना बनाकर केंद्र परिसर में पहुंचा था। इसी दौरान उसने परिसर में एक मोबाइल फोन छिपा दिया था। अगले दिन परीक्षा के दौरान मौका पाकर उसने मोबाइल को बाथरूम में रख दिया और उसका उपयोग करने की कोशिश की। करीब सवा ग्यारह बजे बाथरूम की ओर जाते समय उसकी गतिविधियों पर तैनात पुलिसकर्मियों को संदेह हुआ। जांच के दौरान बाथरूम से मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारियों में हड़कंप मच गया और तत्काल जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकल की इस कोशिश के पीछे किसी संगठित गिरोह की भूमिका तो नहीं है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संविधान के प्रति प्रतिबद्धता का संकल्प; महाराष्ट्र में मुस्लिम समाज के मुद्दों पर राज्यस्तरीय बैठक में पांच प्रस्ताव पारित

अमन लेखनी समाचार

मुंबई, महाराष्ट्र मुस्लिम महासंघ की ओर से मुंबई मराठी पत्रकार संघ में आयोजित पत्रकार परिषद में राज्य के मुस्लिम समाज के समक्ष मौजूद विभिन्न सामाजिक, कानूनी और संवैधानिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में मौलाना उमरैन महफूज रहमानी, उबैदुल्ला खान आजमी, युसुफ हातीम मुचाला, मौलाना हलीमउल्ला कासमी, मौलाना इलियास खान फलाही, लारा जेसानी, डॉल्फी डीसूजा तथा शाकिर शेख सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर शाकिर शेख ने बताया कि महाराष्ट्र मुस्लिम महासंघ की ओर से इस्लाम जिमखाना में आयोजित राज्यस्तरीय सलाहकार बैठक में मुस्लिम विधायक, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा विभिन्न मस्जिदों के इमामों ने भाग लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बैठक किसी राजनीतिक दल के विरोध में नहीं, बल्कि समाज के समक्ष उपस्थित समस्याओं के संवैधानिक और लोकतांत्रिक समाधान तलाशने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

बैठक में निम्नलिखित पांच महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए–

प्रस्तावित धर्म स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ रिलिजन) कानून को वापस लेने की मांग।

मॉब लिंचिंग और घृणास्पद भाषणों के विरुद्ध कठोर कानून तथा प्रभावी कार्रवाई की मांग।

कथित बुलडोजर कार्रवाईयों पर आपत्ति दर्ज करते हुए न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान बनाए रखने की मांग।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए ऐसे कानून की आवश्यकता नहीं होने का मत।

मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा नागरिकों से अपने नामों का सत्यापन करने का आह्वान।

वरिष्ठ अधिवक्ता युसुफ हातीम मुचाला ने कहा कि समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए राज्यभर के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि आगे की रणनीति तय करने के लिए 22 सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। अधिवक्ता लारा जेसानी ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा पारित धर्म स्वतंत्रता (एंटी कन्वर्जन) विधेयक पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब ऐसे कानूनों के विरुद्ध याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में लंबित हैं, तब महाराष्ट्र में इस कानून को लागू करने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इससे धार्मिक स्वतंत्रता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत प्रभावित हो सकते हैं। पूर्व सांसद उबैदुल्ला खान आजमी ने न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन और संवैधानिक मूल्यों पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासन को अधिक जवाबदेह बनने की आवश्यकता है।

बड़े मंगल पर यूनुस मार्केट में विशाल भंडारा, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

अमन लेखनी समाचार

कासिमपुर। ज्येष्ठ माह के पावन छठे बड़े मंगल के अवसर पर मंगलवार को कासिमपुर स्थित यूनुस मार्केट में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और उत्साह के साथ आयोजित इस भंडारे में क्षेत्र के श्रद्धालुओं, राहगीरों एवं भक्तों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं को भोजन एवं प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर पूरे समय भक्तिमय माहौल बना रहा। भक्तों ने भगवान हनुमान जी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। भंडारे का आयोजन उमा एंटरप्राइजेज के तत्वावधान में किया गया।इस अवसर पर आयोजक अवधेश कुमार सिंह, मधुर सिंह, अमन सिंह एवं शुभम सैनी सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगल के अवसर पर सेवा, सद्भाव और जनकल्याण की भावना से भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग मिला। स्थानीय लोगों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने वाला बताया। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के बीच कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

हर दुख सुख शंकट, समस्या के मदद के लिए कार्यरत मऊ मानिकपुर विधायक

प्रमोद मिश्रा जिला संवाददाता

चित्रकूट। मऊ मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी का नाम आज जिले का हर व्यक्ति बच्चा जानता है। मऊ मानिकपुर विधानसभा 237 आज कई वर्षों बाद विकास से अछूता नहीं है कई वर्षों किसी विधायक ने 100% अपने निधि का विकास अपने क्षेत्र में कर डाला। विधानसभा क्षेत्र में जहां भी कोई दुख, सुख, संकट, जन समस्या होती है तो विधायक हर हाल में वहां पहुंचते हैं चाहे रास्ता हो या ना हो। आजादी के बाद मऊ यमुना नदी के किनारे बसा है तिरहार के कई गांवों में यमुना बाढ़ का पानी भर जाता था आज मऊ मानिकपुर विधायक ने कई पुल बनवा करके रोड बनवा करके इस समस्या का समाधान कर दिया। विधायक का निमंत्रण चाहे कोई गरीब से गरीब अमीर दे तो सबके यहां निमंत्रण में जाते हैं। कोई गंभीर बीमारी से पीड़ित है किसी का एक्सीडेंट हुआ है कोई अपने मृत्यु से मारता है दुर्घटना से मारता है तो विधायक उसके परिवार से मिलने उसकी सहायता करने जरूर पहुंचते हैं। अभी हाल ही में दो किसानों के घर में आग लगने से उनकी गृहस्थी नष्ट होने पर विधायक ने लाखों रुपए के चेक दोनों किसानों को दिए यह सरकारी सहायता थी। विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी स्वयं एक प्रभावशाली व महान धनी व्यक्ति हैं वह जिसे भी चाहते हैं उसे अपने से भी आर्थिक सहायता प्रदान करते हैं निधि के अलावा। मऊ मानिकपुर विधायक विधानसभा क्षेत्र की जनता में गांव-गांव में चर्चा है कि ऐसा विधायक ना अभी तक कोई आया है ना आएगा। विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी प्रतिदिन जनता दरबार करने के बाद दिन भर के लिए अपने विधानसभा क्षेत्र के जनता की सेवा समस्या के लिए निकल पड़ते हैं। विधायक मऊ मानिकपुर जात पात के भेदभाव से उठकर के अपने विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया है। अपना दल एस पार्टी के विधायक ने तीन जनपद में अपना नाम अपने कर्म से जनता के दिल में सर्वोपरि जगह बना लिया है।

विद्युत विभाग की लापरवाही से मरी दो भैंस

अमन लेखनी समाचार

चित्रकूट। मऊ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत लौरी के अहिरन पुरवा में विद्युत विभाग की लापरवाही से साधुराम यादव की दो भैंसों की करंट लगने से हुई मौत। आंधी तूफान के कारण बिजली के तार टूट गए थे इसके बाद विद्युत विभाग वहां पर तार जोड़ने गया गलती इतना किया कि एक तार छोटी पड़ गई उसको वहीं लटका कर चले आए। साधुराम यादव जब सुबह अपनी भैंसों को तालाब में नहलाने वह चराने के लिए ले गए वह किसी कृषि कम से अपने खेत में जुड़े थे। कुछ देर में साधुराम यादव को सूचना मिली के आपके 11000 वोल्ट में करंट से दो भैंस मर गई। साधुराम यादव में जब जाकर देखा तो उसके जमीन तले धरती खिसक गई क्योंकि वह उसके जीवन यापन का साधन थी। साधु राम यादव के चार लड़के हैं सब अलग-अलग अपना पेट पाल रहे हैं। अभी हाल ही में साधुराम यादव ने अपनी छोटी लड़की की शादी भी किया था ?80000 कर्ज है उनके पास। साधुराम यादव की भैंस घाभिन थी और उसी का बच्चा भी तैयार हो गया था, जब बड़ी भैंस को करंट लगा तो दूसरी उसको सूंघने गई गई तो उसको भी करंट ने उसको भी अपनी चपेट में ले लिया दोनों भैंसों की मौत वहीं पर हो गई पौने दो लाख रुपए कीमत की दोनों मवेशी थी। साधुराम यादव को आशा थी कि भैंस का दूध बेचकर मैं अपना कर्ज उतारूंगा। विद्युत विभाग की लापरवाही साधु राम यादव के जीवन में डाका डाल दिया आखिर इसका मुआवजा कौन देगा। साधुराम यादव को न्याय व मुआवजा के लिए एसडीएम मऊ व थाने में सूचना देना आवश्यक क्योंकि विद्युत विभाग की बहुत बड़ी गलती है। गरीब किसान साधुराम यादव को विधायक से भी मिल करके अपने संकट को बताना चाहिए जिससे गरीब किसान को कुछ सहायता मिल सके। जैसे प्राकृतिक घटना में जान माल के नुकसान का मुआवजा मिलता है तो इसमें तो सरासर गलती विद्युत विभाग की है उसको मुआवजा देना चाहिए।

आंधी से हुआ भारी नुकसान, सोलर प्लांट क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। कस्बे में 8 जून सोमवार शाम लगभग 4 बजे आई तेज आंधी और बारिश से भारी नुकसान हुआ। द्वारकापुरी क्षेत्र में रेखा देवी पत्नी सत्य प्रकाश के घर की छत पर लगा सोलर प्लांट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार सत्य प्रकाश ने अपनी पत्नी रेखा के नाम से झांसी की राम राजा सोलर पावर ग्रीन एनर्जी से सोलर प्लांट लगवाया था, जिससे उनकी आटा चक्की संचालित होती थी। तेज आंधी के दौरान छत पर बने कमरे की ईंटें और चद्दर टूटकर सोलर पैनलों पर गिर गईं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और नुकसान का आकलन कर मुआवजा देने की मांग की है।

मामा बना भांजे का कातिल: सिलेंडर से सिर कुचलकर की हत्या, खिड़की से किरायेदारों ने बनाया वारदात का वीडियो

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। हरदोई जिले के मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के #सढ़ीयनपुरवा निवासी एक युवक की दिल्ली में उसके ही मामा ने कथित तौर पर सिलेंडर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि मृतक अपने मामा के साथ दिल्ली में रहकर काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी मामा ने गुस्से में आकर भांजे पर हमला कर दिया। आरोप है कि उसने गैस सिलेंडर से युवक के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान आसपास रहने वाले किरायेदारों ने खिड़की से पूरी वारदात देखी और उसका वीडियो भी बना लिया। सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी मामा को गिरफ्तार कर लिया है तथा हत्या के कारणों की पड़ताल की जा रही है। इस दर्दनाक घटना से मृतक के गांव सढ़ीयनपुरवा में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

परियर प्रकरण में बढ़ी सियासी सरगर्मी, प्रशासन और सत्ता पक्ष के बीच खींचतान की चर्चा तेज

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील क्षेत्र के ग्राम परियर में उपजिलाधिकारी पर हुए हमले के मामले ने अब प्रशासनिक कार्रवाई से आगे बढ़कर राजनीतिक रंग लेना शुरू कर दिया है। घटना के बाद जहां प्रशासनिक अमला आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कर रहा है, वहीं सत्ता पक्ष से जुड़े कई जनप्रतिनिधियों और नेताओं की सक्रियता ने मामले को और अधिक चर्चित बना दिया है। ग्राम परियर में अन्नपूर्णा भवन के निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी पर हुए हमले के बाद प्रशासन ने इसे सरकारी कार्य में बाधा और कानून-व्यवस्था से जुड़ा गंभीर मामला मानते हुए कार्रवाई शुरू की थी। घटना में उपजिलाधिकारी घायल हुए थे और उनके सिर में चोट लगने के कारण टांके भी लगे थे। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। इधर, मामले में आरोपित पक्ष के समर्थन में सत्ता दल के कई स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं के एक साथ सामने आने से राजनीतिक गलियारों में चचाएं तेज हो गई हैं। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि प्रशासन अपनी कार्रवाई को किस हद तक आगे बढ़ा पाता है और राजनीतिक दबाव के बीच कानून का शिकंजा कितना कस पाता है। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि कानून अपना काम करेगा और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। परियर प्रकरण अब केवल एक आपराधिक या प्रशासनिक मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक अधिकार और राजनीतिक प्रभाव के बीच संतुलन की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा है। जिले भर की निगाहें इस मामले पर टिकी हैं और लोग यह जानने को उत्सुक हैं कि आने वाले दिनों में जांच और कार्रवाई किस दिशा में आगे बढ़ती है। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में कानून का पलड़ा भारी पड़ता है या फिर राजनीतिक समर्थन का असर देखने को मिलता है। आने वाला समय ही इस बहुचर्चित प्रकरण की तस्वीर पूरी तरह साफ करेगा।

पुलिस आरक्षी परीक्षा शुरू, पहले दिन 38928 में 28237 अभ्यर्थी हुए सम्मलित, 10691 हुए अनुपस्थित

तीन दिनों में 1.16 लाख से अधिक परीक्षार्थी देंगे परीक्षा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर प्रशासन की कड़ी नजर

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। जनपद में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का आयोजन 8 जून से शुरू हो गया है, जो 10 जून तक चलेगा। परीक्षा को सकुशल और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क नजर आ रहे हैं। पहले दिन परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई, जिसमें अपेक्षाकृत कम उपस्थिति दर्ज की गई और बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पहले दिन दोनों पालियों में कुल 38,928 अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होना था, लेकिन इनमें से केवल 28,237 अभ्यर्थी ही उपस्थित हुए। जबकि 10,691 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। यह संख्या कुल निर्धारित परीक्षार्थियों का एक बड़ा हिस्सा है, जिस पर प्रशासन भी नजर बनाए हुए है। यदि पालियों के अनुसार बात करें तो प्रथम पाली में 19,464 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी थी। इसमें से 14,037 अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे, जबकि 5,427 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं द्वितीय पाली में भी 19,464 अभ्यर्थियों को शामिल होना था, लेकिन 14,200 अभ्यर्थी ही उपस्थित हुए और 5,264 अभ्यर्थियों ने परीक्षा नहीं दी। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 10,691 अभ्यर्थियों की अनुपस्थिति दर्ज की गई। गौरतलब है कि गोरखपुर जनपद में इस भर्ती परीक्षा के लिए कुल 44 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक पाली में 19,464 अभ्यर्थियों को परीक्षा देनी है। तीन दिनों तक चलने वाली इस परीक्षा में कुल 6 पालियों के माध्यम से 1,16,784 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। 8, 9 और 10 जून को आयोजित होने वाली इस परीक्षा को लेकर प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां की हैं। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ प्रवेश के दौरान सघन जांच की जा रही है। अभ्यर्थियों को समय से पहले केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए थे, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। परीक्षा के पहले दिन उच्च अधिकारियों ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान डीआईजी, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एडीएम सिटी और एसपी सिटी समेत

डीएम दीपक मीणा की अध्यक्षता में डीएलआरसी/डीसीसी बैठक संपन्न

बैंकर्स को लक्ष्य पूर्ति, ऋण वितरण व योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा समिति (ऊछफउ) एवं जिला सलाहकार समिति (ऊउउ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंकिंग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने बैंकर्स को सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं में तेजी लाने और लक्ष्य के अनुरूप ऋण वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान बैंकर्स नोडल अधिकारी मनोज श्रीवास्तव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना (टवश) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित लक्ष्य 2700 के सापेक्ष 31 मार्च 2026 तक 2375 ऋण स्वीकृत किए जाने की जानकारी दी गई, जो लगभग 88 प्रतिशत उपलब्धि है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 1015 आवेदन बैंक शाखाओं को भेजे गए हैं, जिनमें से 201 आवेदन स्वीकृत और 128 का वितरण किया जा चुका है। डीएम ने इस योजना में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए युवाओं को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत भी प्रगति की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 271 इकाइयों के लक्ष्य के सापेक्ष 460 आवेदन बैंकों को भेजे गए, जिनमें से 183 स्वीकृत हुए। योजना के अंतर्गत लगभग 598.58 लाख रुपये का ऋण वितरण किया गया, जो लक्ष्य के सापेक्ष 113.68 प्रतिशत उपलब्धि दशार्ता है। डीएम ने कहा कि यह संतोषजनक है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। वहीं ह्वएक जनपद एक उत्पादह्व (डऊडढ) योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 47 इकाइयों के लक्ष्य के सापेक्ष 113 आवेदन बैंक शाखाओं को भेजे गए। इनमें 42 आवेदन स्वीकृत हुए और कुल 155.33 लाख रुपये का ऋण वितरण किया गया। डीएम ने निर्देश दिया कि डऊडढ के अंतर्गत चयनित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बैंक और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करें, ऋण वितरण की प्रक्रिया को सरल बनाएं और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि बैंक शाखाएं आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें और समयबद्ध तरीके से कार्रवाई सुनिश्चित करें।

लेखपाल का रिश्वत लेते वायरल वीडियो बना चर्चा का विषय, किसान यूनियन ने उठाई कार्यवाही की आवाज

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद, हरदोई। तहसील शाहाबाद क्षेत्र का बताया जा रहा है। जहां एक किसान से लेखपाल द्वारा रिश्वत लेते समय का वीडियो सोशल मीडिया पे जमकर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही क्षेत्र में तरह तरह की चचाओं ने तूल पकड़ लिया। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में पहुंचा। जानकारी अनुसार उपजिलाधिकारी ने तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए। जांच हुई लेकिन कार्यवाही नहीं दिखी। जिसके कारण सोशल मीडिया पर किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने भ्रष्ट रिश्वतखोर लेखपाल पर जांच की मांग तेज कर दी जिससे मामले ने हलचल का रूप ले लिया। दूसरी तरफ लेखपाल मुकेश अग्निहोत्री के खास चेहरों ने किसान पर दवाब बनाकर समझौता करने की कोशिश जारी करदी। लगभग एक सप्ताह बीत जाने पर भी जब किसी प्रकार की उच्चाधिकारियों द्वारा कार्यवाही नहीं हुई। मामला भारतीय किसान यूनियन *सम्राट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रकाश मौर्य* की जानकारी तक पहुंचा। जिन्होंने तत्काल एक जिलाधिकारी संबोधित पत्र लेखपाल के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने को लेकर जारी कर दिया। जिसमें लिखा_ घूस लेते हुए लेखपाल का वीडियो वायरल होने के पश्चात भी उच्चाधिकारियों द्वारा कार्यवाही नहीं हुई। इसी के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष मौर्य ने एक चेतावनी भी दी अगर जल्द लेखपाल पर कार्यवाही नहीं हुई तो संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध तहसील स्तर पर धरना करने को लेकर मजबूर होगे जिसकी समस्त जिम्मेदार तहसील प्रशाशन की रहेगी। भाकियू सम्राट का लेटर जारी होते ही भ्रष्टाचारियों में उथल पुथल मच गई। अब देखना होगा कि भाकियू की चेतावनी को लेकर स्थानीय प्रशासन कोई कार्यवाही करता है या पर रिश्वतखोर लेखपाल पर अपना संरक्षण मेहरबान रखता है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

वेलकम टू द जंगल ने रिलीज से पहले ही कमाए 120 करोड़

मुंबई। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' ने ओटीटी, सैटेलाइट, ऑडियो और दूसरे राइट्स बेचकर करीब 120 करोड़ कमा लिए हैं। यानी फिल्म ने रिलीज से पहले ही अपनी लागत का बड़ा हिस्सा निकाल लिया है, जिससे मेकर्स को काफी राहत मिली है। एक ट्रेड सोर्स के अनुसार, 'फिलहाल मेकर्स ने करीब 120 करोड़ का डील फाइनल कर लिया है। अब उन्हें थिएटर से उतनी ज्यादा कमाई की जरूरत नहीं होगी। 'वेलकम'एक बड़ा और पॉपुलर फ्रेंचाइजी है। इसके पहले दो पार्ट 'वेलकम' (2007) और 'वेलकम बैक' (2015) लोगों को खूब पसंद आए थे।

लाइफ Style

हिना
हम सभी करते हैं गलतियां

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अब हिना खान ने आलोचकों को जवाब दिया है। हिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों के लिए नोट साझा किया है। ट्रोलिंग के बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स के लिए एक संदेश साझा किया, इसमें उन्होंने नफरत की जगह दयालुता को चुनने की अपील की। हिना ने लिखा, 'हम सभी गलतियां करते हैं और समय के साथ हम सभी बदलते हैं। मैंने यहां-वहां कुछ ट्वीट पढ़े, मैंने हमेशा नफरत के बजाय दयालुता, प्यार और ह्यूमिनिटी को चुना है। अगर आप मेरे फैन हैं, तो मैं आपसे भी इसी दृढ़ता और स्पष्टता के साथ व्यवहार करने की अपील करती हूं।'अभिनेत्री ने अपने फॉलोअर्स को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि दूसरों के प्रति नफरत और कठोर व्यवहार किए बिना हमें अपनी बात मनवाने के लिए इतना नीचा नहीं गिरना चाहिए। हम अमानवीय या नफरत भरे हुए बिना भी ऐसा कर सकते हैं। हम हमेशा शालीनता से अपनी बात रख सकते हैं और फिर भी प्रभावी हो सकते हैं। करुणा और प्रेम हमारी ताकत होनी चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते और उन लोगों की तरह व्यवहार करते हैं जो बेकार में नफरत फैलाते हैं और ट्रोल करते हैं, तो मैं आपको ब्लॉक कर दूंगी, चाहे आप मेरे फैन ही क्यों न हों।

'भाबीजी घर पर हैं'के निर्माता पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप के खुलासे के बाद शिल्पा शिंदा सुर्खियों में है। वहीं, शिल्पा शिंदे पर जुबानी हमला करने के बाद हिना खान भी लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हिना ने शिल्पा शिंदे की आलोचना की थी। इसके बाद हिना को लोगों ने निशाने पर लिया था।

हॉलीवुड मसाला

मेहमानों को दिया सनस्क्रीन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सिंगर निक जोनस हमेशा अपनी बीवी प्रियंका चोपड़ा की तारीफ में लगे रहते हैं, चाहे वो पॉप स्टार हों, एक्टर हों या निर्माता, लेकिन उनके फैंस अक्सर उनकी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी एक्साइटेड रहते हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने प्रियंका के 40वें जन्मदिन के जश्न में किए गए अपने एक नेक काम के बारे में भी बताया। निक ने बताया कि उन्होंने जश्न में आए सभी मेहमानों को सनस्क्रीन गिफ्ट में दी थी, ताकि वे गर्मी से सुरक्षित रहें। निक ने प्रियंका को लेकर कहा, 'वह बहुत प्यारी हैं।

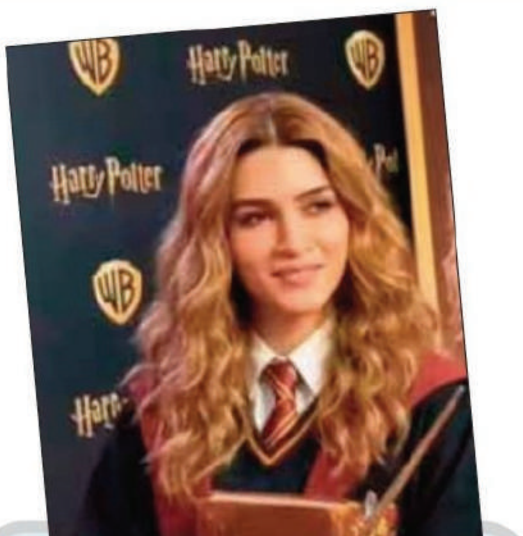

हैरी पॉटर के किरदार में ढले बॉलीवुड सितारे

लॉस एंजिल्स। 'हैरी पॉटर' सीरीज साल 2001 से 2011 के बीच रिलीज हुई सिनेमा इतिहास की सबसे अधिक कमाई करने वाली फ्रेंचाइजी में से एक है। जरा सोचिए, अगर यही सीरीज बॉलीवुड में बनी होती तो कौन से एक्टर किस रोल में फिट होते। दिमाग के इसी फितूर को रियल में तैयार किया है एआई ने और दिखाया है कि 'हैरी पॉटर' बॉलीवुड कलाकारों के साथ बनती तो सब कैसे दिखते। अब 'हॉगवर्ट्स' के उस इमैजिनेशन की झलक देखते हैं जहां हमारे बॉलीवुड के सितारे 'हैरी पॉटर' सीरीज के किरदार में कैमरे के सामने पोज देते नजर आ रहे हैं। इनमें से कुछ तो इतने मिलते-जुलते दिख रहे हैं कि दर्शक हैरान हो रहे। एआई जेनरेटेड इस वीडियो में कार्तिक आर्यन से लेकर वरुण धवन, कृति सेनन, सैफ अली खान जैसे तमाम कलाकार नजर आ रहे हैं।

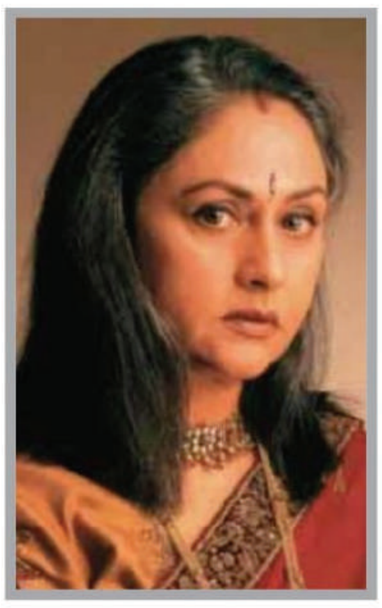

हीरोइन को ऑब्जेक्ट दिखाने पर भड़कीं

नई दिल्ली। पेद्दी आई और जाह्नवी कपूर के बोल्ड सीन्स पर विवाद छिड़ गया। पहले सोशल मीडिया पर महिलाओं को ऑब्जेक्टिफाई करने का मुद्दा गरमाया, अब सेलिब्रिटीज भी इस मुद्दे पर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक... फिल्मी सितारे हीरोइनों को ऑब्जेक्ट की तरह दिखाने के लिए पेद्दी के मेकर्स पर नाराज हुए। अब जया बच्चन और करीना कपूर खान ने हीरोइनों को ऑब्जेक्टिफाई करने पर अपना रिएक्शन दिया और बताया कि एक बार उनके साथ भी ऐसा हुआ था। जया ने अपने दिन याद किए, जब उन्हें फिल्म में ज्यादा बोल्ड दिखाने की कोशिश की जा रही थी। एक्ट्रेस ने एक बातचीत में कहा- किसी ने भी मेरे साथ हद पार करने की हिम्मत नहीं की। मेरे साथ सिर्फ एक बार ऐसा बुरा अनुभव हुआ था जब एक डायरेक्टर ने मुझे एक 'ऑब्जेक्ट' की तरह देखा था।

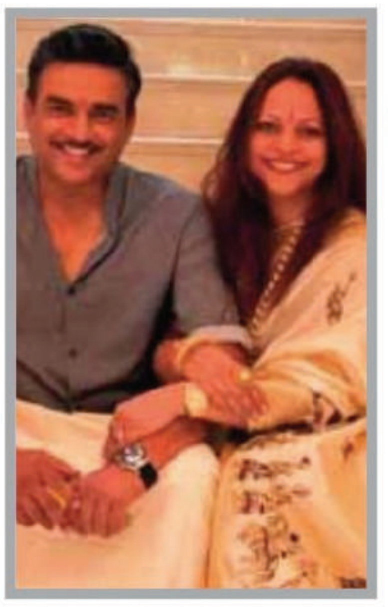

हमारे परिवार की परंपरा है लॉयल रहना

मुंबई। एक्टर माधवन ने हाल ही में अपनी पत्नी सरिता के साथ शादी की 27वीं सालगिरह मनाई है। उन्होंने एक बार बताया था कि उनके लिए शादी में लॉयल रहना कभी मुश्किल क्यों नहीं रहा। उन्होंने कहा कि कई खूबसूरत एक्ट्रेसेस के साथ काम करने के बावजूद, उन्हें हमेशा पता रहा कि उनके लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है। माधवन ने पत्नी सरिता के प्रति वफादारी पर बात करते हुए कहा कि उनके लिए लॉयल रहना बिल्कुल नेचुरल है और यह उनके परिवार की आदत भी है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है लॉयल रहना हमारे परिवार की परंपरा है। मेरे परिवार के लोग जिंदगी के आखिर तक जमशेदजी टाटा के प्रति भी उतने ही लॉयल रहे कि हमारे घर में भगवानों के साथ उनकी फोटो भी माला के साथ लगी रहती थी। इसलिए, सच कहूं तो मुझे लॉयल न रहने के लिए अलग से कोशिश करनी पड़ेगी।'

टीवी मसाला

जेनिफर तलाक के 11 साल बाद बनेंगी दुल्हन, विलियम ने चुराया दिल

नई दिल्ली। जेनिफर विंगेट अपने तलाक के करीब 11 साल बाद एक बार फिर से शादी को लेकर चर्चा में हैं। अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट रखने वाली जेनिफर की शादी को लेकर पिछले कुछ समय से काफी अटकले लग रही थीं। अब उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, एक्ट्रेस अपनी लाइफ का अगला जरूरी कदम उठाने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, बताया गया है कि जेनिफर विलियम इस्माइल के साथ शादी रचाने जा रही हैं। इस्माइल विलियम सिंगापुर स्थित बिजनेसमैन हैं, जिनके साथ जेनिफर पिछले कुछ समय से डेट कर रही हैं। कहा जा रहा है कि छुट्टियों के दौरान विलियम ने जेनिफर को शादी का ऑफर दिया और जवाब में उन्होंने हां कर दी है। अब दोनों इस वक्त शादी को लेकर प्लानिंग में जुटे हैं। खबरों के मुताबिक, जेनिफर ने वेंडर्स से लेकर शादी से जुड़ी अन्य तैयारियां शुरू कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक, दोनों की ये शादी क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से होनी है और सितंबर-अक्टूबर या फिर दिसंबर से लेकर अगले साल जनवरी के बीच कभी भी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फिलहाल वो शादी के लिए सही डेस्टिनेशन की तलाश कर रहीं हैं। खबर ये भी है कि उन दोनों के करीबी दोस्त रहे हरलीन सेठी और जेनेलिया देशमुख जैसे उनके करीबी दोस्तों को उनकी शादी की प्लानिंग का पता है।

'उनकी सोच 60 साल पुरानी'

नई दिल्ली। दिग्गज एक्टर ललित परिमू ने महिलाओं द्वारा यौन इच्छा बताने वाले मुकेश खन्ना के कमेंट का मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि

हालांकि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन समाज विकसित हो चुका है और आज महिलाएं अपनी पसंद और जरूरतों के बारे में कहीं अधिक खुलकर बोलती हैं। सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में परिमू से मुकेश खन्ना के उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'कोई भी लड़की अगर किसी लड़के से कहे 'मैं तुम्हारे साथ इंटिमेट होना चाहती हूं, तो वो लड़की नहीं है, वो धंधा करती है।' कमेंट का जवाब देते हुए ललित परिमू ने कहा- इस मामले में मुकेश जी पिछली पीढ़ी के हैं। वो शायद अभी भी 50 या 60 साल पहले वाली भारतीय महिला, भारतीय मिडिल क्लास की पढ़ी-लिखी महिला को देख रहे हैं।' आज तो 10 लड़कियों में से शायद ऐसा कह सकती हैं। कल्चर इतना बदल गया है कि ऐसी कह सकती हैं। औरत के अंदर आज के समय में, खासकर पढ़ी-लिखी, पैसा कमाने वाली और इंटिमेसी में डिमांड करने वाली लड़कियों की कीमत बढ़ गई है।'

राख से करुप्पु तक, इस वीक ओटीटी पर होगा भरपूर मनोरंजन, रिलीज होंगी ये फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। *नया वीक शुरू हो गया है। सिनेमाघरों में इस वीक खूब बहार रहेगी। मैं वापस आऊंगा, मां इंटी बंगाराम और भारत भाग्य विधाता सहित कई चर्चित फिल्में थिएटर्स में सजने वाली हैं। मगर, ओटीटी पर भी एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज मिलेगा।*

राख *: इस वीक अली फजल की वेब सीरीज 'राख' दस्तक देगी। इसमें सोनाली बेंद्रे भी अहम भूमिका में हैं। इस वेब सीरीज का निर्देशन प्रोसित रॉय ने किया है। वो इससे पहले 'पाताललोक' सीरीज का निर्देशन भी कर चुके हैं। यह क्राइम इन्वेस्टिगेशन सीरीज 12 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर रिलीज होगी।*

मां है ना *: यह शिल्पा शेट्टी का कुकिंग रियलिटी शो है। इस शो में जेन-जी सेलेब्स अपनी मां के साथ हिस्सा लेंगे। 10 एपिसोड की यह नॉन-फिक्शन सीरीज छह जेन जेड सेलेब्रिटीज और उनकी मांओं को एक साथ लाएगी। 'मां है ना' 12 जून 2026 से जी5 पर रिलीज होगा।*

एवरी ईयर आफ्टर *: अगर आपको*

रोमांटिक ड्रामा सीरीज देखने का मन है, तो इस वीक 'एवरी ईयर आफ्टर' देख सकते हैं। यह प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। दर्शक इसे 10 जून, 2026 से देख सकते हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज है। यह सीरीज 'एवरी समर आफ्टर' नॉवेल पर आधारित है। कहानी बचपन के दो दोस्तों के बारे में है, जो एक उलझी हुई स्थिति में फंस जाते हैं और प्यार व सोलमेट के कॉन्सेप्ट पर सवाल उठाने लगते हैं।

ड्रिडम *: इस वीक की ओटीटी लिस्ट में 'ड्रिडम' भी शामिल है। मलयालम भाषा की यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जो एक पुलिस वाले की कहानी पर आधारित है। इस फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर 12 जून से देखा जा सकता है।*

तारकटा *: बंगाली सीरीज 'तारकटा' भी आप देख सकते हैं। यह एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज है, जो 12 जून, 2026 से जी5 पर रिलीज होगी। इसमें विक्रम चटर्जी, प्रियंका सरकार और मियांग चांग अहम भूमिकाओं में हैं।*

करुप्पु *: सूर्या और तृषा कृष्णन की फिल्म 'करुप्पु' भी सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज को तैयार है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 12 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। आरजे बालाजी निर्देशित इस फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।*

मैं वापस आऊंगा टीम ने अटारी बॉर्डर पर रचा इतिहास
रहमान ने गाया 'मां तुझे सलाम'

नई दिल्ली। फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की टीम ने अटारी बॉर्डर (पंजाब) पर देश के वीर जवानों को एक बेहद खूबसूरत और भावुक श्रद्धांजलि दी। ऑस्कर विजेता संगीतकार ए आर रहमान ने पहली बार अटारी बॉर्डर पर लाइव परफॉर्मेंस दी है। जिसे देखने के लिए स्टेडियम में हजारों लोग मौजूद थे। ए.आर. रहमान ने 'चंदा सूरज लाखों तारे' गाने से शुरुआत की। इसके बाद मोहित चौहान, वेदांग रैना, नीलांजना घोष और पूजा तिवारी जैसे कलाकारों ने फिल्म के नए गानों पर शानदार परफॉर्मेंस दी। कार्यक्रम का समापन रहमान के मशहूर देशभक्ति गीत 'मां तुझे सलाम' के साथ हुआ, जिससे पूरा स्टेडियम जोश और तालियों से गूंज उठा। यह खास कार्यक्रम सीमा सुरक्षा बल के जवानों के सम्मान में आयोजित किया गया था, जिसका नाम था 'जय हो- ए म्यूजिकल सैल्यूट टू द ब्रेवहार्ट्स'। इस दौरान फिल्म के डायरेक्टर इम्तियाज अली, एक्टर वेदांग रैना और 'मैं वापस आऊंगा'के निर्माताओं ने जवानों का आभार मानकर कार्यक्रम की शुरुआत की। फिल्म के गानों को

देश के सैनिकों के साहस को समर्पित किया गया। मैं वापस आऊंगा को लेकर इम्तियाज अली ने कहा, 'यह फिल्म 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन की कहानी पर आधारित है। यह हमें याद दिलाती है कि उस दौर में सिर्फ जमीन ही नहीं, बल्कि लोगों के दिल भी टूटे थे। हम इस फिल्म के जरिए प्यार और एकता का संदेश देना चाहते हैं।' फिल्म मैं वापस आऊंगा में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, शरवरी और वेदांग रैना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान का है और गाने इरशाद कामिल ने लिखे हैं। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राज कपूर का वो भाई, जिसे सिनेमा ने भुलाया!
फिल्मों का अमीर सेठ, हीरोइनों का खड़ूस बाप, आवाज से थरति थे हीरो

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में कपूर खानदान का रुतबा आज भी जारी है। ये रुतबा आज या कल से नहीं बल्कि कई दशकों से है। कपूर खानदान की जड़ें हिंदी सिनेमा में काफी पहले से हैं और यही वजह है कि कपूर खानदान के लोग आज भी सिनेमा में एक्टिंग कर रहे हैं। पृथ्वीराज कपूर से शुरू हुआ कारवां आज रणबीर कपूर और करीना कपूर तक आ पहुंचा है, लेकिन इसी कपूर खानदान में एक ऐसा भी स्टार आया जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। कौन है वो फिल्मों का अमीर सेठ और हीरोइन का खड़ूस बाप, जिसकी एक आवाज से थर्रा उठते थे सिनेमाघर, आज कहानी उन्हीं की...

कौन थे पिंचू कपूर?

कपूर खानदान के जिस एक्टर की हम बात कर रहे हैं असल में वह पिंचू कपूर थे। वही पिंचू कपूर जो असल में राज कपूर के भाई थे। पिंचू कपूर पृथ्वीराज कपूर के भतीजे और शोमैन राज कपूर, शम्मी कपूर और शशि कपूर के कजिन भाई (चचेरे भाई) थे। इसके बावजूद उन्होंने इंडस्ट्री में कभी इस नाम का सहारा नहीं लिया और खुद को एक स्वतंत्र कलाकार के रूप में स्थापित किया। यही वजह है कि उन्होंने सिनेमा में कई फिल्में की, लेकिन यह बहुत कम लोगों को मालूम था कि वो असल में कपूर खानदान से ताल्लुक रखते हैं। पिंचू कपूर का जन्म 1927 में अविभाजित भारत के रावलपिंडी (अब पाकिस्तान में) में हुआ था। बाद में उनका परिवार भारत के जयपुर में आकर बस गया। उनका असली नाम लाल पुष्पेंद्र कपूर था। हालांकि, लोग उन्हें पिंचू कपूर के नाम से जानते थे।

अपनी अलग पहचान बनाई

कभी वो हीरोइन के खड़ूस बाप बनते थे, तो कभी अमीरी का रुतबा दिखाते हुए नजर आते थे। जज, वकील, पुलिस कमिश्नर, अमीर बिजनेसमैन या कड़क पिता के किरदारों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उस दौर में जहां विलेन बहुत लाउड हुआ करते थे, पिंचू कपूर ने बड़े ही शांत और स्टाइलिश विलेन के तौर पर खुद को पेश किया, जो धोखे से जाल बुनते थे। इस तरह से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई थी। 28 अप्रैल 1989 को महज 62 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

असल जिंदगी में भी रहते थे ठसन से

इसके बाद वह साल 1978 में डॉन में दिखे। इस फिल्म में उन्होंने इंटरपोल ऑफिसर आर.के. मलिक की बेहद अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म का वो सीन आज भी याद किया जाता है, जिसमें नकली बने अमिताभ बच्चन उन्हें पहचानते हैं। इसके बाद वह अवतार, कर्ज, झूठा कहीं का, कामचोर, शराबी और हकीकत समेत कई फिल्मों में वह नजर आए। बड़ी बात यह है कि उन्हें ज्यादातर फिल्मों में अमीर सेठ के किरदार में देखा गया। जी हां, असल में जिंदगी में भी वह काफी ठसक में रहते थे। उनका परिवार रसूखदार था। वहीं, फिल्मों में भी उन्हें इसी तरह के किरदार मिलते थे।

70- 80 के दशक में फिल्मों में छोड़ी गहरी छाप

हिंदी सिनेमा के इतिहास में जब भी रौबीले और कड़क किरदारों की बात होती है, तो पिंचू कपूर का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। अपनी कड़क आवाज, सूट-बूट वाली शानदार पर्सनालिटी और सधे हुए अभिनय के दम पर उन्होंने 70 और 80 के दशक की फिल्मों में एक गहरी छाप छोड़ी। सिनेमा में आने से पहले वो थिएटर किया करते थे। थिएटर करने के बाद उन्हें लगा कि अब उन्हें सिनेमा में हाथ आजमाना चाहिए तो वो जयपुर से सीधा अपने भाइयों राज कपूर और शशि कपूर के पास आ गए। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 60 के दशक में की थी। शुरुआत में वह यहूदी, हाउसहोल्डर और दो बूंद पानी जैसी फिल्मों में दिखे। हालांकि, असली ब्रेक उन्हें साल 1973 में आई बॉबी से मिला। भाई राज कपूर की इस फिल्म में वह राज शर्मा (ऋषि कपूर के दोस्त के पिता) के किरदार में दिखे।